दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 99/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 9 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

जब सचिन तेंदुलकर मैदान में मैक्सवेल को बधाई देने आए तो महान मैक्सवेल ने झुककर दिग्गज सचिन तेंदुलकर के पैर छुए और आशीर्वाद मांगा। क्रिकेट के इतिहास में सबसे महान क्षणों में से एक। इन महान क्रिकेटरों को सलाम।

सतना में गरजे मोदी... जहां-जहां कांग्रेस आई, तबाही लाई

सतना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सतना की चुनावी सभा में कहा, %मतदान से पहले ही कांग्रेस के झूठ का गुब्बारा फूट गया है। उसके पास मध्यप्रदेश के विकास का कोई रोडमैप नहीं है। कांग्रेस के थके-हारे चेहरों में एमपी के युवाओं को कोई भविष्य नहीं दिखता। इसीलिए एमपी को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। जहां-जहां कांग्रेस आई, वहां तबाही लाई है।

श्री मोदी ने वादा करते हुए कहा, अयोध्या में जिस भक्ति से हम प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना रहे हैं, उसी भक्ति से गरीबों के घर भी बनाते हैं। जिन्हें अभी भी घर (पीएम आवास) नहीं मिला है, उन्हें मोदी की गारंटी है कि उनका घर भी बनेगा। 3 दिसंबर को सरकार वापसी पर पीएम आवास का काम तेजी से शुरू होगा। ये मोदी है, जिसने 4 करोड़ घर बनाए, लेकिन खुद के लिए घर नहीं बनाया।

राम मंदिर से पूरे देश में खुशी की लहर: मैं आजकल जहां भी जाता हूं, वहां अयोध्या में बन रहे प्रभु राम के मंदिर की चर्चा चलती है। पूरे देश में खुशी की लहर है। सौभाग्य से भरे इस पावन कालखंड में मेरे मन में एक बात बार-बार आती है। यह बात मुझे आंदोलित करती रहती है और मुझे तेज गति से दौड़ने की प्रेरणा देती रहती है। यह बात है- राम काज कीन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम...। अब रुकना नहीं है, थकना नहीं है।

एक वोट में त्रिशक्तियां, यानी तीन कमाल: एमपी के चुनाव में आपका हर वोट त्रिशक्ति की ताकत से भरा हुआ है। 1). आपका एक वोट यहां फिर से भाजपा की सरकार बनाने जा रहा है। 2). आपका वोट दिल्ली में मोदी को मजबूत करेगा। 3). आपका यही वोट भ्रष्टाचारी कांग्रेस को एमपी की सरकार से सौ कोस दूर रखेगा। यानी एक वोट, तीन कमाल। मोदी ने युवाओं खासकर फर्स्ट टाइम वोटर से कहा, पूरे चुनाव को आप लीड करिए।

सतना में बंदूक की नाली से संगीत निकलता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंच पर उपस्थित। ज्योति चौधरी को बंदूक की नाल से उठने वाले संगीत को प्रस्तुत करने का अवसर दिया। ज्योति चौधरी जिसने जी 20 सम्मेलन में नल तरंग से सभी को मंत्रमुग्ध किया था, पीएम ने मंच से नाम पुकार कर संगीत सुनने का आग्रह किया। वैष्णो जन को तेरे कहिए, पीर पराई जाने रे। पीएम मोदी की सभा मे मैहर की ज्योति चौधरी ने संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मुझे जो गालियां पड़ रही हैं उसका कारण काली कमाई की दुकानों को बंद करना है

मोदी ने कहा- मुझे जो गालियां पड़ रही हैं उसका कारण काली कमाई की दुकानों को बंद करना है। कांग्रेस के पास युवाओं के विकास का कोई प्लान नहीं है। आपका एक वोट दिल्ली में मुझे मजबूत करेगा। इस बार मध्य प्रदेश का चुनाव बढ़ा ही दिलचस्प है।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस-राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर राजधानी के पुलिस लाइन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिरकत की। उन्होंने सबसे पहले प्रदेश के लोगों को राज्य स्थापना की बधाई दी। राज्य के लिए अपनी प्राण देने वाले शहीदों को उन्होंने नमन किया।

बेरोजगारी से लड़ना है, जाति जनगणना जरूरी: राहुल गांधी

देश को मोदी सहित 90 अफसर चला रहे, पैसा 16 कंपनियों में जा रहा

अशोक नगर। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी आज रुक्के दौरे पर हैं। राहुल ने अशोकनगर के नईसराय में चुनावी सभा में कहा- भारत जोड़ो यात्रा में कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4000 किलोमीटर पैदल चले। किसानों, युवाओं, माताओं-बहनों से मिला और देश बिल्कुल पास से देख आया। इस यात्रा ने मुझे बदल दिया। हिंदुस्तान की सरकार को 90 लोग चलाते हैं। अगर आप सोचते हो कि एमपी-एमएलए सरकार को चलाते हैं तो गलत सोचते हो। बेरोजगारी से लड़ना है तो सबसे पहला कदम जाति जनगणना है। जिसे मैं एक्स-रे कहता हूं।

प्रियंका बोलीं-रिश्ता निभाने से है, वरना कंस भी मामा है

सतना। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने चित्रकूट में कहा- एमपी सरकार रिश्वतखोरी से चल रही है। सीएम कहते हैं- हम मामा हैं। हां, कंस मामा है। रिश्ता निभाने से बनता है, वरना कंस भी मामा है। मुझे मतलब नहीं कोई अपने आपको फकीर बोले, मामा बोले। देश की संपत्ति को गिने-चुने लोगों को सौंप दी। मेरे लिए तो आप भ्रष्ट हो। कांग्रस की सरकार बनाइए, ताकि फकीरों और मामा से आपको छुटकारा मिले।

18 साल से मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार चल रही है। इसलिए इनके मन में ये बात बैठ गई है कि हम काम क्यों करें। धर्म के नाम पर वोट मांग लेंगे। आप लोग सोचते हैं धार्मिक इंसान है, इसी को वोट देंगे। मीडिया को अपने कब्जे में ले रखा है कि केवल हमें ही दिखाएं।

ये लोग अडानी-अंबानी के हजारों करोड़ से कर्ज माफ करने के लिए कहते हैं। लेकिन किसानों से कर्ज चुकता करने के लिए कहते हैं। किसान जब आंदोलन कर रहे थे, तब इनके एक मंत्री ने किसानों को कुचल दिया। बाद में वही मंत्री इनके साथ मंच पर बैठा रहा। लेकिन ये किसानों से मिलने तक नहीं गए। मैं भी पीएम की पोती और बेटी हूं। उनके साथ जब अमेठी जाती थी तब महिलाएं उन्हें डांटती थीं कि आपने ये काम क्यों नहीं किया। मध्यप्रदेश में इतने सालों में एक भी विश्वविद्यालय और उद्योग नहीं खुले। छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी।

मोदी के पांच जी मंत्र ने मप्र के 1.36 करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से बाहर निकाला: निर्मला सीतारमण

भोपाल। निर्मला सीतारमण ने कहा है कि मध्य प्रदेश भारत का दिल है तथा मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के कारण मध्य प्रदेश पीएम मोदी के दिल में है और पीएम मोदी एमपी के दिल में हैं। पीएम मोदी के पांच जी मंत्र ने मध्यप्रदेश के एक करोड़ 36 लाख लोगों को गरीबी की रेखा से बाहर निकाला और प्रदेश में भाजपा ही सुशासन लेकर आई। भोपाल में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए सीतारमण ने कहा कि डबल इंजन सरकार मध्य प्रदेश में लोगों के जीवन में मूलभूत परिवर्तन लेकर आई है। बुनियादी ढाँचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मप्र की जीडीपी में 2002 में 71,500 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 13.8 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

अयोध्या में पहली बार योगी कैबिनेट की बैठक, सीएम ने रामलला की आरती की

लखनऊ/अयोध्या। अयोध्या में पहली कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला के दर्शन-पूजन किया। साथ में, 18 कैबिनेट मंत्री भी मौजूद रहे। यहां योगी, अपने मंत्रियों के साथ इलेक्ट्रिक बस में बैठकर पहुंचे थे। इस दौरान, खिड़की से हाथ हिलाकर उन्होंने अभिवादन स्वीकार किया। आज कैबिनेट बैठक में करीब 5 हजार करोड़ के 25 प्रस्ताव रखे जाने हैं।

मानव तस्करी मामले में 10 राज्यों से 44 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने मानव तस्करी मामले में देशभर में छापेमारी कर 44 लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने 8 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 55 ठिकानों में ये कार्रवाई की।

एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि भारत में रोहिंग्या घुसपैठ और उन्हें बसाने में शामिल मानव तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ देशभर में एनाआईए ने केंद्रीय बल और राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर तलाशी ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, त्रिपुरा से 21, कर्नाटक से 10, असम से 5, पश्चिम बंगाल से 3, तमिलनाडु से 2 और हरियाणा, तेलंगाना और पुडुचेरी से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में भी एजेंसी ने कार्रवाई की।

जम्मू में पाकिस्तान की तरफ से फिर फायरिंग, एक जवान की मौत

सांबा। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में गुरुवार सुबह पाकिस्तान की ओर से फायरिंग हुई। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बने नयनपुर पोस्ट पर गोलीबारी हुई, जिसमें बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जवान का नाम लाल फर्न किमा बताया जा रहा है। ये तीन हफ्ते में तीसरी बार है जब पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। सबसे पहले 17 अक्टूबर को पाक रेंजर्स की तरफ से फायरिंग की गई थी।

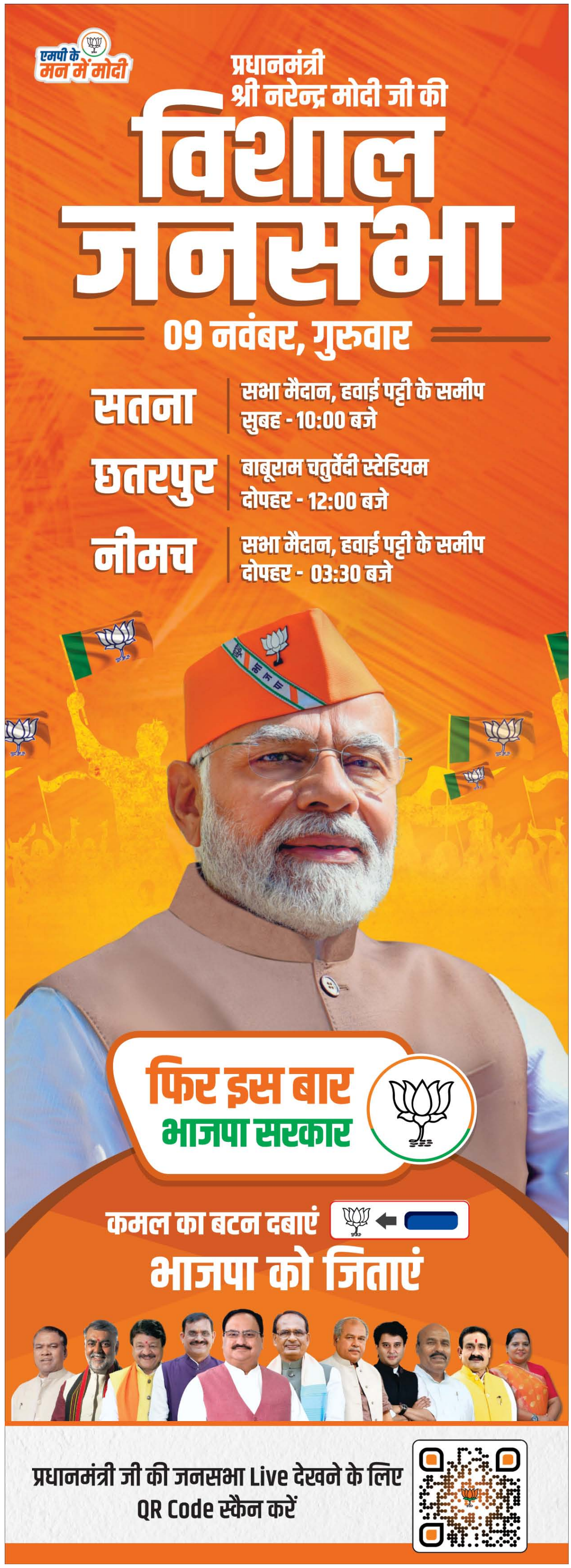

भाजपा के पास डबल इंजन की सरकार कांग्रेस के पास इंजन ही नहीं : रामेश्वर शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा। उस दिन वोट देने से पहले आप 2003 की तस्वीर जरूर याद रखना जब मिस्टर बंटाढार ने पूरे प्रदेश का हाल बेहाल कर रखा था। सड़क,बिजली पानी की समस्याओं से प्रदेश के लोगों को जूझना पड़ता था। आज डबल इंजन की सरकार में विकास ही विकास हो रहा है। 2003 के बाद मध्यप्रदेश की सूरत बदल गई। प्रदेश से बीमारू राज्य का तमगा हट गया और अब हम तेजी से विकसित होते प्रदेश की पहचान बना चुके हैं। यह क्रम नहीं रुकना चाहिए, इसलिए आवश्यक है कि प्रदेश में फिर भाजपा की सरकार बने। भाजपा के पास डबल इंजन की सरकार है और कांग्रेस के पास इंजन ही नहीं है। यह बात हुजूर भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा ने अपने जनसम्पर्क के दौरान स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कही। रविवार को श्री शर्मा ने हुजूर विधानसभा के कोलार क्षेत्र व अन्य इलाकों में जनसंपर्क किया। इसके साथ ही वह अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल हुए।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि सर्जीकल स्ट्राइक में हमारी सेनाओं ने घर में घुसकर पाकिस्तान को जवाब दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सीमाओं को सुरक्षित करने का काम किया है। कांग्रेस ने कश्मीर में हमेशा धारा 370 को बच्चे की तरह पालने का काम किया और कश्मीर की जनता को गुमराह करती रही। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि कांग्रेस कहती थी, अगर कश्मीर से धारा-370 हटी तो खून की नदियां बह जाएंगी, हमने दमदारी के साथ धारा 370 हटाई, लेकिन एक भी

हुजूर से भाजपा प्रत्याशी ने कोलार सहित कई इलाकों में नागरिकों से आशीर्वाद लिया

कंकर तक नहीं हिला। मनमोहन सिंह सरकार में पाकिस्तान से आतंकवादी घुसकर यहां अशांति फैलाते थे, लेकिन अब किसी की हिम्मत नहीं है कि यहां आकर आतंक फैला सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कुछ साल पहले राम मंदिर की तारीख पूछती थी। मैं बताना चाहता हूं कि राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होगा।

इन स्थानों पर हुआ जनसम्पर्क: बुधवार को हुजूर भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा नें विधानसभा क्षेत्र के पीरवल्ली गाँव, बैरागढ़ चीचली, कॉस्मो सिटी एवं चिनार रेजिडेन्सी, राय पिंक सिटी, विंडसर पॉम, साईं श्रद्धा होम्स, पाल मोहल्ला ग्राम मेंडोरी, मेन मार्केट रातीबड़, कालीमाता मंदिर, अब्बास नगर, कोलार, आंगनवाड़ी पुलिया, ओमनगर, कस्टम कॉलोनी में जनसम्पर्क कर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया।

भाजपा चला रही घर घर जनसंपर्क अभियान

भाजपा संत नगर मण्डल द्वारा लगातार घर घर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसमे भाजपा को आशीर्वाद देने का निवेदन किया जा रहा है। जिसमे आज सैनिक कालोनी, धोबीघाट, बी वार्ड सहित अन्य क्षेत्रो में जनसंपर्क अभियान किया गया। जनसंपर्क अभियान में मण्डल अध्यक्ष कमल वीधनी सहित जिला उपाध्यक्ष राम बसंल, राहुल राजपूत, चन्दू भैया, माखन सिंह राजपूत, जगदीश आसवानी, महेश खटवानी, गोविंद भंभानी, राजू खूबचंदानी, किशन अच्छानी, सुमित आहूजा, उमेश नागर, राजेश पेसवानी, बिहारीलाल सराफ, भगवत विश्वकर्मा, शंकर मेघानी, पदम पहलाजानी, अनिता तुलसानी, बलराम तुलसानी, प्रदीप सांगवानी, मेवाडा, अशोक पारवानी, हेमंत अग्रवाल, सोनू, किशोर हेतराम विधुवा, नीरज नाथ सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

मप्र में 424 दागी लड़ रहे चुनाव

कांग्रेस के 117, भाजपा के 61 कैंडिडेट पर आपराधिक मामले दर्ज, नेताओं ने दी जानकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर 2,533 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से 424 पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। यह जानकारी प्रत्याशियों के शपथ पत्र में सामने आई है।

इनमें कांग्रेस 117, निर्दलीय 110, भाजपा 61, आम आदमी पार्टी 22, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) 21, बहुजन समाज पार्टी 19, समाजवादी पार्टी के 19 समेत अन्य पार्टियों के उम्मीदवार शामिल हैं। इनके विरुद्ध हत्या के

प्रयास, बलवा, मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा, प्रॉपर्टी विवाद, धोखाधड़ी समेत अन्य मामलों में केस दर्ज हैं।

कई उम्मीदवारों ने अपने विरुद्ध आरोप तय होने की जानकारी भी दी है। कुछ उम्मीदवारों के विरुद्ध कोर्ट में चालान भी पेश हो चुके हैं। आयोग ने इन उम्मीदवारों के लिए दर्ज प्रकरण की जानकारी मीडिया (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रकाशित कराने की डेडलाइन 14 नवंबर तय की है।

इन दलों के एक-एक कैंडिडेट पर केस- सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, संयुक्त क्रांति पार्टी, समाजवादी आम जनता पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, राष्ट्रीय नव जागरण पार्टी, पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड, राष्ट्रीय निर्माण पार्टी, राष्ट्रवादी भारत पार्टी, राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी, नेशनल वर्ल्ड लीडर पार्टी, नर्मदाखंड नव निर्माण सेना, जन अधिकार पार्टी, जनता कांग्रेस, जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, मालवा कांग्रेस, गण सुरक्षा पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्स, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, भारतीय वीर दल, भारतीय ट्राइबल पार्टी, भारतीय स्वर्णिम युग पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमी, अहिंसा समाज पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के एक-एक कैंडिडेट पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। मध्यप्रदेश के 230 विधायकों में से 93 के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं। खास बात ये है कि इनमें से 46 विधायकों को प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए टिकट भी मिल गया है। आपराधिक छवि वाले विधायकों में से कांग्रेस के 32, तो भाजपा के 13 विधायक शामिल हैं। इनमें पांच मंत्री भी हैं। रामबाई को बीएसपी से टिकट दिया गया है।

विश्व विज्ञान दिवस 10 नवंबर को

भोपाल । शांति एवं विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर, 2023 को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। आंचलिक विज्ञान केंद्र भी विद्यालयी स्तर के छात्रों एवं आम जान मानस के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन करके विज्ञान दिवस को एक पर्व के रूप में मना रहा है। कार्यक्रम में एक मेक एंड टेक कार्यशाला शामिल है जिसमें कक्षा 7 एवं 8 के पंजीकृत प्रतिभागी इस केंद्र द्वारा आपूर्ति किए गए सभी कच्चे माल (रॉ मटेरियल) के साथ कुछ वैज्ञानिक खिलौने का निर्माण करेंगे, जिन्हें वे कार्यशाला के पूरा होने पर ले जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इस अवसर को भव्य स्तर पर मनाने के लिए कक्षा 9 के छात्रों के लिए वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान卐 विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, एवं आम जनमानस और सभी वर्ग के दर्शकों के लिए एक रात्रि आकाश दर्शन कार्यक्रम का भी आयोजन कर रहा है।

दीपावली का त्यौहार आने के पूर्व जगह-जगह लक्ष्मी जी की मूर्तियों की दुकान लगी इस अवसर पर महिलाएं दुकान से..पूजन के लिए लक्ष्मी जी की मूर्ति पसंद करते हुए।

जांच में अनेक विसंगतियां पाए जाने पर गैस एजेंसी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

भोपाल । प्राप्त शिकायतों के आधार पर बुधवार को जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल के निर्देशानुसार खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं नापतौल विभाग के नापतौल निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से मेसर्स सिद्वार्थ इण्डेन गैस एजेंसी शाहपुरा त्रिलंगा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कुसुम अहिरवार, सनद शुक्ला एवं नापतौल निरीक्षक जी.के. भावसार द्वारा गैस एजेंसी के गोदाम से निकले 3 गैस लोडिंग ऑटो को परवलिया थाने पर निरीक्षण किया गया जिसमें 14.2 किग्रा क्षमता के 7 घरेलू गैस सिलेण्डरों में निर्धारित मानक मात्रा से कम गैस होना पाया गया जिनको नापतौल विभाग द्वारा जप्त किया गया। खाद्य विभाग के अन्य दल पुष्पराज पाटिल एंव मयंक द्विवेदी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा गैस एजेंसी एवं गोदाम का निरीक्षण किया गया जिसमें ऑनलाईन स्टॉक से घरेलू सिलेण्डर भरे 47 नग कम तथा घरेलू सिलेण्डर खाली 7 नग अधिक, व्यवसायिक सिलेण्डर खाली 107 नग कम एवं भरे 02 कम पाये गये। 47.5 कि. ग्राम के भरे 25 कम, खाली 30 अधिक पाये गये अधिक पाये गये सिलेण्डर को मौके से जप्त किया गया। एजेंसी की विस्तृत जांच प्रचलित है। गैस एजेंसी के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर आगामी कार्यवाही हेतु कलेक्टर के न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

भीषण गंदगी पाये जाने पर गोविन्द गार्डन में कविता स्वीट्स को किया सील

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार दीपावली के अवसर पर मिष्ठान्न विक्रेता संस्थानों के निरीक्षण के दौरान गोविन्द गार्डन, रायसेन रोड़ स्थित खाद्य प्रतिष्ठान कविता स्वीट्स में अत्यन्त गंदगी तथा अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में समोसे, कचौड़ी आदि का निर्माण होना पाये जाने पर प्रतिष्ठान की फैक्ट्री को सील कर पंजीयन प्राधिकारी द्वारा खाद्य पंजीयन निलंबित किया गया । पंजीयन निलंबन अवधि के दौरान प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार का संचालन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

नगर विभिन्न क्षेत्रों में स्थित प्रतिष्ठानों से लिये गये नमूने

दीपावली पर्व के अवसर पर अभिहित अधिकारी देवेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित मिष्ठान्न विक्रेता संस्थानों का निरीक्षण कर मिठाइयों तथा नमकीन के नमूने एकत्र किये गये । इस दौरान अरेरा कॉलोनी स्थित कुबेर डेयरी से मावा पेड़ा तथा दूध

पेड़ा, 11 नं. स्टॉप स्थित परमार डेयरी से मावा रोल तथा बालूशाही, नेहरूनगर स्थित मधुरम स्वीट्स से खोपरा पाक, मिल्क केक तथा मलाई बर्फी, आशा फूड जोन से मिल्क केक और मलाई बर्फी, मीनाल भेल स्थित वैभव डेयरी से मलाई बर्फी और केसर पेड़ा, कुबेर डेयरी से मलाई बर्फी तथा मिल्क केक, इंद्रपुरी स्थित श्याम स्वीट्स से इलाइची बर्फी तथा पीला पेड़ा, नीलबढ़ स्थित बालाजी सुपर बाजार से घी तथा पिस्ता, अयोध्या बाईपास स्थित शंकर किराना से सोन पपड़ी और गुलाबजामुन के नमूने लिये गये । लिये गये नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल प्रेषित किया जा रहा है । नमूनों में मिलावट पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत प्रकरण सक्षम न्यायालयों में प्रस्तुत किये जायेंगे ।

एसएचआईएम जिज्ञासा में उमंग एवं ऊर्जा का समागम

भोपाल। जहां पर 60 से ज्यादा स्कूलों के 1500 से ज्यादा छात्र-छात्राएं स्टेज पर मंच पर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर रहे हो, उस मंच का नाम होता है एस.एच.आई.एम जिज्ञासा। सातवें वर्ष में प्रवेश करते हुए मेगा फेस्टिवल जिज्ञासा-2023 में विभिन्न रंगों को देखा गया। एक तरफ डांस कंपटीशन में क्लासिकल डांस पर तालियां बज रही थी; वहीं गिटार पर सभी लोग गुनगुना रहे थे। जहां रंगोली प्रतियोगिताओं में अलग-अलग रंग कई संदेश दे रहे थे; वहीं पर कोलाज के द्वारा प्रतिभागियों ने अपनी क्रिएटिविटी को मूर्त रूप दिया। निर्णायकों ने जब ग्रुप डांस, रंगोली, कोलाज मेकिंग, टैलेंट हंट, रील मेकिंग, बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट, पेंटिंग, पेपर ड्रेस की सृजनात्मक रचना देखीं, तो वे अभिभूत हो गए। क्विज कंपटीशन में एक के बाद एक राउंड में कश्मकश बढ़ रही थी कि कौन सी टीम जीतेगी; वहीं पर टैलेंट हंट में बीट-बॉक्सिंग से लेकर गिटार परफॉर्मेंस, शायरी, कविता, स्टैंड-अप कॉमेडी एवं अन्य प्रतिभागी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दे रहे थे। जिज्ञासा का स्पेशल परफॉर्मेंस क्रिषानु घोष का बैंड परफॉर्मेंस था। जब सभी लोग बैंड के साथ एक धुन में गा रहे थे, तो उत्साह अपने चरम सीमा पर था। उनके म्यूजिकल परफॉर्मेंस ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। खचाखच भरे हुए ऑडिटोरियम में छात्र-छात्राओं की एनर्जी लेवल देखकर बैंड परफॉर्मेंस टीम ने भी संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की प्रशंसा की। न केवल भोपाल के प्रतिष्ठित स्कूलों से बल्कि होशंगाबाद, शुजालपुर, सीहोर, बीना, कुरावर एवं अन्य समीपस्थ जगहों से भी छात्र-छात्राएं आए थे, जो हुनर के इंद्रधनुषी समागम जिज्ञासा की सुनहरी यादें अपने साथ ले गए हैं। इन सभी प्रतिभागियों के लिए ये एक यादगार इवेंट बन गया, जिसमें उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। सभी प्रतिभागी स्कूलों के शिक्षकों ने मुक्त कंठ से एस.एच.आई.एम की सराहना की।

एक दिन में एक मुट्ठी बादाम: भारत की प्रोटीन समस्या को हल करने का प्राकृतिक तरीका

भोपाल। प्रोटीन रोज़मर्रा के आहार का ज़रूरी अवयव है, जो शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्य भूमिका निभाता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार 73 फीसदी भारतीय लोग रोज़ाना अपने आहार में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा का सेवन नहीं करते और 90 फीसदी से ज़्यादा लोग इसकी ज़रूरत के बारे में जागरुक नहीं हैं। लोगों को अपने आहार में प्रोटीन की उचित मात्रा के सेवन के बारे में जागरुक बनाने के लिए ऑल्मण्ड बोर्ड ऑफ कैलीफोर्निया ने आज 'अ नैचुरल अप्रोच टू मिटिगेटिंग प्रोटीन प्रॉबलम' यानि 'प्रोटीन की समस्या को हल करने का प्राकृतिक तरीका' विषय पर एक सत्र का आयोजन किया।

कार्यक्रम का आयोजन होटल कोर्टयार्ड मेरियट में किया गया, जहां कॉमनवेल्थ गोल्ड मैडलिस्ट (कराटे) सुप्रिया जातव और एमबीबीएस एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ रोहिणी पाटिल द्वारा विशेष सत्रों का आयोजन हुआ, इन सत्रों का संचालन आरजे हर्षा ने किया। चर्चा के दौरान इस बात पर ज़ोर दिया गया कि भारतीय परिवार प्रोटीन के स्त्रोतों और अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए उचित मात्रा में प्रोटीन के सेवन के बारे में जागरुक नहीं हैं। बड़ी संख्या भारतीय लोगों में प्रोटीन की कमी है, उनका रोज़मर्रा की आहार शरीर की प्रोटीन की ज़रूरत को पूरा नहीं कर पाता। भारत में एक व्यक्ति को उसके शरीर के प्रति किलोग्राम वज़न पर 0.8 ग्राम प्रोटीन के सेवन की सलाह दी जाती है।

सार्वजनिक गोवर्धन पूजा 14 को, तैयारी जारी

कोलकाता के कलाकार दे रहे आदमकद प्रतिमा को अंतिम रूप

भोपाल। तेजस जनकल्याण समिति के तत्वावधान में सार्वजनिक गोवर्धन पूजा एवं परिक्रमा के कार्यक्रम का आयोजन 14 नबम्बर को किया जायेगा। इसकी तैयारियां जारी हैं।

समिति के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता और सचिव वरूण गुप्ता ने बताया कि उक्त कार्यक्रम छोला दशहरा मैदान में शाम 4 बजे शुरू होगा, जो रात्रि 10 बजे तक जारी रहेगा। इसका शुभारंभ 5 ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच समिति पदाधिकारियो से गोवर्धनजी की पूजा अर्चना कर होगा। इसके पश्चात श्रद्धालुओ द्वारा गिरिराजजी की परिक्रमा की जायेगी, जो कार्यक्रम के समापन तक जारी रहेगी। इस बीच मां भगवती आराधना मंच के नेतृत्व में मेकलसुता समूह जबलपुर के अलावा, मथुरा, व्रन्दावन, ग्वालियर, इंदौर और भोपाल के कलाकारों द्वारा धर्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी जायेगी। इसके साथ ही विभिन्न विधाओं की 5 प्रतिभाओं को वरिष्ठ समाजसेवी और समिति के संस्थापक संरक्षक रामनारायण कुदरिया की स्मृति में स्थापित तेजस सम्मान से सम्मानित किया जायेग।

गोवर्धनजी की प्रतिमा और 100 फीसदी मतदान के लिये प्रस्तुति होगी आकर्षण का केंद्र

पदाधिकारियो ने बताया कि इस वर्ष गोवर्धन गिरिराजजी की 15 फिट की आदमकद प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस प्रतिमा का निर्माण राजधानी के प्रख्यात मूर्तिकार राजू कुशवाह के

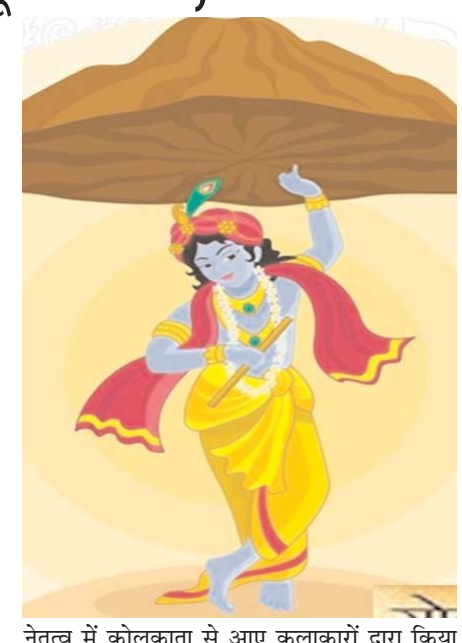

नेतृत्व में कोलकाता से आए कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव में 100 फीसदी मतदान की अपील वाली प्रस्तुति भी होगी।

यह होंगे अतिथि

पदाधिकारियो ने बताया कि कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, पूर्व महापौर आलोक शर्मा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कटनी और छिंदवाड़ा जिले में की जनसभाएं

राम के अस्तित्व को नकारने वाले कांग्रेसी मंदिर-मंदिर भटक रहे : स्मृति ईरानी

कटनी। भाजपा धर्म और धैर्य की पार्टी है। जो कांग्रेस प्रभु श्री राम के अस्तित्व को नकारती रही है, आज उसी कांग्रेस के नेता मंदिर मंदिर भटक रहे हैं। इसी कांग्रेस की सरकार ने अदालत में हलफनामा देकर राम के अस्तित्व को नकारा था, अब देश और मध्यप्रदेश की जनता कांग्रेस को नकारने के लिए तैयार है। कांग्रेस हमारा मजाक उड़ाती थी, कहती थी मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। हम मंदिर भी बना रहे हैं और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 22 जनवरी की तारीख भी बता दी है। आप विधानसभा चुनाव में कमल का बटन दबाएं, भाजपा को जिताएं और फिर रामलला के दर्शन के लिए जाएं। यह बात केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी कटनी के बरही और छिंदवाडा के चौरई में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कही।

पहले 'मोदी की वैक्सीन' बताया फिर चुपचाप लगवा ली

श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कोरोना संकट में देश का जिस कुशलता के साथ नेतृत्व किया, वह एक मिसाल है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से जब हमारे वैज्ञानिकों ने दो-दो वेक्सीन बनाई, तो कांग्रेस ने उसकी भी आलोचना की। कांग्रेस के लोगों ने उसे ' मोदी की वैक्सीन' बताकर देश की जनता को भ्रमित किया। लेकिन बाद में चुपचाप वेक्सीन लगवा ली।

श्रीमती ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने कोरोना संकट के दौरान देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देकर किसी गरीब को भूखा नहीं रहने दिया। इस योजना के कारण लोगों के जीवन में आ रहे बदलावों को देखते हुए प्रधानमंत्री जी ने इसे अगले पांच सालों के लिए आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। लेकिन भाजपा सरकार गरीबों को मुफ्त राशन दे रही है, तो कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने कहा कि असल में कांग्रेस गरीबों को गरीब ही बनाए रखना चाहती है, ताकि उनका वोट बैंक बना रहे। लेकिन आप लोगों को कांग्रेस के झांसे में नहीं आना है। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्रीमती ईरानी ने कहा कि कांग्रेस ने 500 रुपये में महिलाओं को गैस सिलेंडर देने की बात कही थी, लेकिन भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने वही सिलेंडर महिलाओं को 450 रुपये में देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग महिलाओं को पैसे देने की बातें कर रहे थे, उसके लिए फॉर्म भी भरवा रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने लाडली बहनों को हर माह 1250 रुपये देना शुरू भी कर दिया। उन्होंने कहा कि विकास और गरीब कल्याण तथा महिला सशक्तीकरण के लिए एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाना है। श्रीमती ईरानी ने कटनी जिले के बरही में विधानसभा प्रत्याशी श्री संजय पाठक की चर्चा करते हुए कहा कि इन्होंने हरिहर तीर्थ निर्माण का संकल्प लिया है, जो अवश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि 25 हजार बहनों का कन्यादान करने वाले भाई को देखने की इच्छा मेरी भी थी। मैं उन्हें आशीर्वाद देने बरही आई हूं और आप भी उन्हें आशीर्वाद दें। कमल का बटन दबाएं और भाजपा को विजयी बनाएं।

असम के मुख्यमंत्री ने पंधाना और खंडवा में जनसभा को किया संबोधित

खंडवा। कमनलाथ अपने आपको हनुमान जी का भक्त बताते हैं। अगर कमलनाथ जी हनुमान जी के भक्त है तो उन्होंने और कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में रोड़े क्यों अटकाए। कमनलाथ जी के पास तो खुद का हेलीकॉप्टर है राम भगवान के दर्शन करने क्यों नहीं गए। जन्मदिन पर मंदिर के आकार के आकार का केक काटा गया। कमलानथ जी और कांग्रेस पार्टी चुनावी हिंदू है। कांग्रेस का यह हिंदुत्व हमें ठुकराना होगा। यह बात असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने खंडवा जिले के पंधाना में भाजपा प्रत्याशी छाया मोरे के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। श्री सरमा ने कहा कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब अब बाबर और औरंगजेब जैसे लोगों को देश में समर्थन देना है। कांग्रेस और राहुल गांधी हमास के आतंकियों का समर्थन कर रहे हैं। हमास के खिलाफ इसलिए नहीं बोल रहे क्योंकि भारत में जो हमास जैसे लोग है वो कांग्रेस के खिलाफ हो जाएंगे। कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करती आई है। श्री सरमा ने खंडवा में भी जनसभा को संबोधित किया।

राम मंदिर कांग्रेस का कभी नहीं हो सकता: सरमा ने कहा कि कांग्रेस कहती है राम मंदिर बीजेपी का नहीं है। हम कहते हैं हिंदुओं की आस्थाओं का है लेकिन राम मंदिर कभी कांग्रेस का नहीं हो सकता क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा मंदिर निर्माण में रोड़ा अटकाया। राम मंदिर को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक बनवा सकते थे, लेकिन नहीं बनवाया। यह काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को आकर करना पड़ा। सरमा ने कहा कि मैं पहले कांग्रेस में था और मध्यप्रदेश आना-जाना लगा रहता था। तब यहां बिजली पानी और सड़कों की समस्या साफ नजर आती थी,लेकिन अब मध्यप्रदेश विकसित राज्य बन गया है। कुछ साल पहले मेरा यहां आना हुआ था। मेरी मुलाकात दिग्वजिय सिंह से हुई तो मैंने कहा प्रदेश बदल गया है लेकिन उनकी चुप्पी से मैं समझ गया कि यहां विकास हर क्षेत्र में हो रहा है।

दिग्विजय और कमलनाथ की जोड़ी ने प्रदेश को गड्ढे में डाला: ज्योतिरादित्य

उज्जैन। दुनिया में तीन भगवान हैं। एक जान दाता जिन्हें हम डॉक्टर कहते हैं, दूसरे अन्नदाता हमारे किसान जो अन्न हमें देते हैं। तीसरे भगवान मतदाता हैं जो देश के भविष्य का निर्माण करते हैं। इस बार 17 नवंबर को अब आपकी बारी है। प्रदेश की जनता को खुशहाल रखने की और लगातार विकास के पथ पर अग्रसर रखने की। यह बात केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उज्जैन जिले के घट्टिया विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी श्री सतीश मालवीय के समर्थन में जनशभा को संबोधित करते हुए कही। श्री सिंधिया ने कहा कि भाजपा का मकसद गरीब कल्याण और विकास रहा है। कांग्रेस का विकास से कोई लेना-लेना देना नहीं। सिंधिया ने कहा कि दिग्विजय सिंह और कमलनाथ की बड़े भाई छोटे भाई की जोड़ी ने मध्यप्रदेश को गड्ढे में डालकर छोड़ दिया था। भाजपा सरकार आने के बाद 20 सालों में प्रदेश को बीमारू राज्य से विकसित राज्य बनाने का काम भाजपा की सरकार ने किया। 15 महीने के शासन में कमलनाथ की सरकार ने प्रदेश में सिर्फ घोटालों को ही तवज्जो दी विकास को नहीं।

सिंधिया ने कहा कि 2018 में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ऐलान किया था कि मध्यप्रदेश में सरकार आने के बाद किसानों का कर्जा माफ कर देंगे। राहुल गांधी ने कहा था कि 10 दिन में कर्जा माफ नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री बदल देंगे,लेकिन कर्जा माफ नहीं किया गया, बल्कि किसानों को डिफाल्टर बना दिया। कांग्रस की इस छोटे भाई और बड़े भाई की जोड़ी ने तब यह बात उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने नहीं रखी। सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा गरीबों को छला है। बस उन्हें गरीब कहकर उनके वोटों को हासिल किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दूसरी तरफ गरीबी को करीब से देखा और जब मौका आया तो गरीब कल्याण के लिए सारे रास्तों को खोल दिया। आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 45 लाख से ज्यादा आवास गरीबों को मिले हैं। देश में 80 करोड़ लोगों को अब आने वाले पांच सालों तक और मुफ्त में राशन मिलेगा। श्री सिंधिया ने कहा कि उज्जैन सिंधिया साम्राज्य की राजधानी थी। उस दौरान भी कई विकास काम किए गए। इस क्षेत्र की धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत को दोबारा संजोने का कार्य पहले परिवार ने किया था। भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहजने का काम कर रही है।

उत्तर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा ने नारियल खेड़ा में किया रोड शो

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उत्तर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा ने मेल मुलाकातों के बीच गुरुवार को बड़ा रोड शो किया। वे वार्ड 12 अंतर्गत नारियल खेड़ा के पीपल चौराहा से शुरू हुए रोड शो के माध्यम से विभिन्न कालोनियों में पहुंचे।। रोड शो के दौरान भारी संख्या में लोगों की भीड़ भाजपा के पक्ष में नारे लगाते हुए साथ चल रही थी। रहवासियों द्वारा जगह जगह आलोक शर्मा का पुष्प वर्षा कर, आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया गया। रोड शो से पूरे क्षेत्र का माहौल भगवामय दिखा। आलोक शर्मा ने इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग बहुमत के साथ इस बार कमल खिलाएं। हम इस क्षेत्र को उपनगर के रूप में विकसित करेंगे। जिस प्रकार से नए भोपाल में एमपी नगर, कोलार और बीएचईएल जैसे क्षेत्र विकसित किए गए हैं, उसी तर्ज पर नारियल खेड़ा क्षेत्र को सर्व सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। विकास के सारे काम यहां कराए जाएंगे जिससे जनता की परेशानी दूर हो सके। आलोक शर्मा ने इसके पूर्व सुबह वार्ड 18 के कैंची छोला की विभिन्न कालोनियों में जनसंपर्क किया। यहां पर जनता इस बार परिवर्तन करने का माहौल बना चुकी है। आलोक शर्मा के जनसंपर्क में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता साथ चल रहे हैं। गुरुवार शाम को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का रोड शो आयोजित किया गया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे, कमलनाथ, आरिफ मसूद व निवाड़ी एसपी की चुनाव आयोग से शिकायत

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, भोपाल मध्य से कांग्रेस के प्रत्याशी आरिफ मसूद और निवाड़ी पुलिस अधीक्षक के खिलाफ शिकायत की है।

अरेरा हिल्स स्थित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में सौंपे ज्ञापन में भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी कमलनाथ ने 5 नवंबर को शासकीय शाला लहगडुआ में सभा को संबोधित किया। यहां शासकीय स्कूल की दीवार पर कांग्रेस पार्टी के पोस्टर चिपका कर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया। प्रतिनिधि मंडल ने कांग्रेस प्रत्याशी कमलनाथ को चुनाव संपन्न होने तक प्रदेश के बाहर रहने और चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की है। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 7 नवंबर को भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र में हुई सभा के दौरान शासकीय भवन में पोस्टर लगाए जाने की शिकायत भी भाजपा ने चुनाव आयोग से करते हुए उन्हें चुनाव संपन्न होने तक मध्यप्रदेश से बाहर रहने की शिकायत की है। एक अन्य शिकायत में भाजपा ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को बताया कि टीकमगढ़ पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल द्वारा कांग्रेस प्रत्याशियों की गाड़ियों की न तो अनुमति देखी जा रही है और न ही कार्रवाई की जा रही है। वहीं भाजपा प्रत्याशियों के वाहनों की सभी अनुमतियां होने के बाद स्थान-स्थान पर रोका जा रहा है। भाजपा ने निवाड़ी एसपी अंकित जायसवाल को तत्काल स्थानांतरित करने की मांग चुनाव आयोग से की है। भारतीय जनता पार्टी ने भोपाल मध्य से कांग्रेस प्रत्याशी आरिफ मसूद को लेकर की गई शिकायत में कहा है कि उन्होंने खुद पर 1,39,960 रूपए का ऋण बताया है। जबकि एक अन्य कॉलम में स्वयं व पत्नी पर बकाया देनदारियां शून्य दर्शाया है। जबकि आरिफ मसूद की पत्नी रूबीना मसूद द्वारा लिए गए ऋण 31,28,200 को भी शपथ-पथ में नहीं दर्शाया है। भाजपा ने झूठा शपथ-पत्र प्रस्तुत करने पर शपथ-पत्र निरस्त कर आरिफ मसूद चुनाव लड़ने से रोकने की मांग की है।

सुरखी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने किया 10 गावों में जनसंपर्क

सागर। किसी भी देश और प्रदेश को विकसित बनाने के लिए जरूरी है गांवों का विकास। यदि गावों में पक्की सड़क, सिंचाई के संसाधन, बिजली और स्कूल होंगी तो किसान समृद्ध होंगे, साथ ही आने वाली पीढ़ी को अच्छा माहौल मिलेगा। उसकी प्रगति होगी। गांव हमारी सांसों में बसते हैं और ग्रामवासी हमारे दिल में। भाजपा सरकार और मैंने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के बड़े कस्बों में विकास के अनेक कार्य कराए हैं। वहीं गांवों में पक्की सड़कों का निर्माण भी कराया है। नलजल योजनाओ से अब घर घर में पानी पहुंच रहा है। लाड़ली बहना योजना का लाभ महिलाओं को मिल रहा है तो किसानों का सम्मान भी हो रहा है। यह बात सुरखी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने कही। राजपूत ने बुधवार को क्षेत्र के ग्राम चौकी, मनकापुर,शिकारपुर, मसानिया, जामुनढाना, पीपकखेड़ी, सोठिया सहित कई गांवों में जनसंपर्क किया।

एम्स और एनडीवीएसयू जबलपुर के बीच एमओयू

भोपाल। एम्स में आयोजित एक समारोह में एम्स भोपाल और नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। एक बेहतर विश्व के लिए एक साथ उद्देश्य को लेकर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह और एनडीवीएसयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) एसपी तिवारी ने हस्ताक्षर किये। एनडीवीएसयू मध्य प्रदेश का एक मात्र पशु विश्वविद्यालय है जिसके अधीन तीन कॉलेज एवं दस पॉलिटेक्नीक संबद्ध है। इस अवसर पर डॉ. तिवारी ने अपने विचार वयक्त करते हुए कहा कि इस समझौता ज्ञापन से वन हेल्थ की अवधारणा को बल मिलेगा एवं दोनों संस्थान संयुक्त रुप से क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर संयुक्त रुप से कार्य कर सकेंगे। विशेष रुप से उन बीमारियों पर जो पशु पक्षियों के द्वारा फैलती है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस समझौता ज्ञापन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे शोध के क्षेत्र में हम अन्जाने रहस्यों को जानेंगे एवं अनसुलझी समस्याओं को सुलझायेंगे और हम आशा करते है कि एक ऐसी नई पद्धति की थेरेपी खोजेंगे जिससे पूरे समाज को लाभ पहुंचेगा।

मनोज तिवारी ने भोपाल दक्षिण पश्चिम, नरेला और गोविंदपुरा विधानसभा में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में की सभाएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कांग्रेस का चरित्र रामचरित मानस में रावण के कालनेमी की तरह है। जैसे ही चुनाव आता है कांग्रेस के नेता त्रिपुण्ड लगाकर चुनावी हिन्दू बनकर घूमने लगते है। प्रभु राम जी ने 15 साल का वनवास काटा था। कांग्रेस ने राम मंदिर बनने में रोड़े अटकाए, यहां तक की सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर भगवान श्री राम अस्तित्व को ही नकार दिया। भगवान राम को काल्पनिक बताने वोले और सनातन का अपमान करने वालों को हमें इस चुनाव में करारा जवाब देना है। यह बात भाजपा सांसद और अभिनेता श्री मनोज तिवारी ने बुधवार को भोपाल की दक्षिण पश्चिम और नरेला और गोविंदपुरा विधानसभा में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान सभा को सम्बोधित करते हुए कही। सभा के दौरान श्री मनोज तिवारी ने श्री राम मंदिर निर्माण पर गीत मंदिर अब बनने लगा है, भगवा रंग चढ़ने लगा है। मनोज तिवारी ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा के प्रत्याशी श्री भगवानदास सबनानी के समर्थन में भीम नगर में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के गठबंधन के लोग सनातन को जड़ से समाप्त करने की बात करते है और सनातन को बीमारी बताकर सनातन का अपमान करते है। उन्होंने उपस्थित जनता से कहा कि जब कांग्रेस के नेता आपसे वोट मांगने आए तो उनसे पूछना कि प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वालों क्या सदियों पुराने सनातन धर्म को समाप्त कर पाओगें ? उन्होंने कहा कि सनातन का विरोध करने वालों अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर 22 जनवरी को बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा कि भीमनगर के भाई, बहनों अब भीम की गदा उठाकर इन कांग्रेसियों को जवाब देने का समय आ गया है। अपने वोट रूपी ताकत से 17 नवंबर को कमल का बटन दबाना है। श्री मनोज तिवारी ने कांग्रेस पर निशाना साधते कहा कि दुश्मनों की भारी फ़ौज नरेला को वापस 15 साल पीछे ले जाने के लिए बैठी है। कई ऐसे लोग है जिन्हे विकास अच्छा नहीं लगता। भष्टाचार करना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि जब मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार रही तब प्रदेश को लूटने-खसोटने का काम किया। 15 महीने की कमलनाथ सरकार ने विकास के सारे काम ठप्प कर दिए थे, लेकिन जब से भाजपा की सरकार आई तब से मध्यप्रदेश के विकास को गति मिली है।

विश्व रेडियोलॉजी दिवस मनाया

भोपाल। एम्स में विश्व रेडियोलॉजी दिवस के अवसर पर, स्वास्थ्य सेवा में रेडियोलॉजी के महत्व पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और रेडियो डायग्नोसिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर रेडियोलॉजी के क्षेत्र में सर सी वी रमन के अग्रणी कार्यों को नमन करते हुए उनके चित्र का अनावरण भी किया गया। डॉ. अजय सिंह ने कहा कि कैंसर के उपचार में एक्स-रे का विशेष महत्व है और कैंसर का पता यदि शुरुआती दौर में ही हो जाता है तो इसके इलाज में आसानी हो जाती है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और मरीजों को उनके स्वास्थ्य देखभाल में रेडियोलॉजी द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना है। इस दौरान रेडियोलॉजी विभाग के सदस्यों द्वारा एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें विभाग के दिन-प्रतिदिन के संचालन और चुनौतियों का सामना करने पर प्रकाश डाला गया। डॉ. अजय सिंह ने उन रेडियोग्राफरों और रेडियोलॉजी तकनीशियनों को सम्मानित भी किया जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में उनकी प्रतिबद्धता और परिश्रम के साथ कार्य किया।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट की गंभीर टिप्पणी

देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पंजाब सरकार की ओर से दायर एक याचिका की सुनवाई करते हुए राज्यपालों की भूमिका पर जो कुछ भी कहा है, वह सभी संबंधित पक्षों के लिए चेतावनी की तरह है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने अभी उन सबको आत्मावलोकन की सलाह भर दी हो, परंतु यह स्थिति सचमुच चिंताजनक है कि राज्यपालों से सामान्य जिम्मेदारी का निर्वाह कराने के लिए भी राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की आवश्यकता पड़ रही है।

पिछले कुछ वर्षों से राज्यपालों और सरकारों के बीच टकराव के मामले लगातार बढ़े हैं। कह सकते हैं कि बढ़ते जा रहे हैं। राज्यपाल केंद्र सरकार द्वारा नियुक्ति किए जाते हैं, उनके संवैधानिक दायित्व और अधिकार गैर राजनीतिक होते हैं, परंतु वे राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के बजाय राजनीतिक सरकार के प्रतिनिधि की तरह काम करते हैं। इससे सीधे टकराव की नौबत आ जाती है। जहां तक पंजाब सरकार का मामला है तो वहां राज्यपाल द्वारा विधानसभा में पारित विधेयक ही रोक लिए गए। इसी के चलते सरकार सर्वोच्च न्यायालय पहुंची है।

आखिर विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। उसकी प्रक्रिया भी पहले से तय है। यदि कोई आपत्ति है तो राज्यपाल या तो उसे राज्य सरकार को दोबारा विचार के लिए लौटा सकते हैं या फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। किसी भी स्थिति में उन बिलों को लंबित करके रखने का भला क्या औचित्य हो सकता है। और यह अकेले पंजाब का मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में तेलंगाना की सरकार भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसी ही शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट आई थी।

केरल और तमिलनाडु दो और राज्य हैं, जो इसी कतार में खड़े नजर आते हैं। केरल की ओर से सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने सीजेआई की बेंच के सामने अर्जेंट लिस्टिंग की अर्जी डाल रखी है जबकि तमिलनाडु के मामले पर इसी महीने की 10 तारीख को सुनवाई होनी है। पश्चिम बंगाल में तो राज्यपाल और सरकार के बीच लंबा शीत युद्ध सा चल रहा है। कई बार टकराव होने की खबरें आती रहती हैं और ऐसा लगता है, मानो कहीं न कहीं राज्यपाल राजनीतिक विचारधारा के वशीभूत होकर काम कर रहे हैं।

गौर करने की बात यह है कि इन सभी राज्यों में गैर बीजेपी दलों की सरकार है। स्वाभाविक ही पहला संदेह यही होता है कि कहीं राज्यपालों की इस भूमिका के पीछे राजनीतिक समीकरणों की तो कोई भूमिका नहीं है। यह भूमिका हो या न हो, ऐसा विवाद पैदा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के मामलों में तो सभी पक्षों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए ताकि गलती से भी यह संकेत न जाए कि देश में संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में राजनीति आड़े आ रही है।

स्पष्ट है कि इस कसौटी पर शासन तंत्र अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं दिखा पा रहा। हालांकि इसके लिए किसी भी एक पक्ष पर पूरा दोष नहीं डाला जा सकता। अगर पंजाब की ही बात करें तो बिलों को मंजूरी मिलने में हुई देरी का सवाल अपनी जगह जायज हो सकता है, लेकिन विधानसभा की बैठकों के बीच तीन महीने के अंतराल का भला क्या औचित्य हो सकता है? विधानसभा का बजट सत्र मॉनसून सत्र से जा मिला। राज्य सरकार कानूनी व्याख्याओं का सहारा भले लेती रहे, यह बात स्थापित परंपराओं के खिलाफ है।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि आत्मचिंतन की जरूरत सभी पक्षों को है। लेकिन वर्तमान दौर की सबसे बड़ी विडम्बना संभवतः यही है कि आत्मचिंतन जैसी बात कहीं नहीं दिखती। सब अपनी लाइन दूसरे की लाइन को काटकर बड़ी करना चाहते हैं। अपने कपड़े कैसे ही हों, दूसरों के उघाड़ने की होड़ सी मची हुई है। संविधान से लेकर परंपराओं की व्याख्या अपने हिसाब से की जा रही है। दूसरों पर जितना कीचड़ उछाल सकते हैं, उछाल रहे हैं। न तो शब्दों की मर्यादा बच रही है और न ही राजनीति में मर्यादा की कोई जगह बची दिख रही है।

परंतु यदि राज्यपाल के संवैधानिक पद पर सुप्रीम कोर्ट तक को टिप्पणी करनी पड़े, तो यह बहुत गंभीर मामला हो जाता है। हां, इसे राजनीतिक चश्मे से हटकर देखना होगा। लेकिन लगता नहीं, इस तरह की सोच फिलहाल देखने को मिले। फिर भी उम्मीद तो कर ही सकते हैं। आज मेरी तो कल तेरी बारी भी आनी है...। परिवर्तन प्रकृति का नियम है, इसे कोई चुनौती नहीं दे सकता है। देरी हो सकती है, बस।

जीवन का सार, कभी नहीं बन पाया राजनीति का संसार

सरयूसुत मिश्रा

चुनाव अब राजनीति और निजी स्वार्थ की हेराफेरी तक सिमट गए हैं. हेराफेरी इसलिए क्योंकि खजाना तो जनता का ही है, कैसे भी लुटाया और लुभाया जाए, वास्तविक परिणाम तो जनता को ही भुगतना पड़ता है. चुनावी मुद्दे और बातें लोकतंत्र को सुसंस्कृत करने की बजाय स्वार्थी अपसंस्कृति को प्रोत्साहित कर रही हैं. समाज को विकृति की ओर धकेलने वाले सारे संस्कार राजनीति से ही पैदा हो रहे हैं।

झूठ-फरेब, भ्रष्टाचार, निजी स्वार्थ की प्रवृत्ति, लोकहित और समाजहित के मुद्दों को पीछे धकेल रही है. हमारा लोकतंत्र परिष्कार की मांग कर रहा है. स्वार्थी मुद्दों से कुछ समय कुछ लोगों का राजनीतिक भला हो सकता है लेकिन इससे दीर्घकालीन लोकहित और समाज की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकेगा।

चुनावी वायदे निजी लाभ की घोषणाओं और दावों से भरे हुए दिखाई पड़ते हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई बालकल्याण, वैयक्तिक सुरक्षा, महिला सुरक्षा, राज्य और राष्ट्र का कल्याण निजी स्वार्थ के शार्टकट में गुम हो जाते हैं. आज चुनाव मुफ्तखोरी की योजनाओं पर चला गया है. 'माफ और हाफ' राजनीतिक इंसाफ बन गया है. चुनावी चौसर पर झूठ की मशीन ऐसी चलाई और बताई जा रही है जैसे बटन दबते ही बिजली के पंखे चलने लगते हैं. सब कुछ मुफ्त की राजनीतिक अवधारणा कर्म प्रधानता को ही धोखे में रख रही है।

यह मानसिकता बढ़ते- बढ़ते अब इस स्तर पर पहुंच गई है कि चुनाव में स्थानीय मुद्दे और निजीहित सर्वाधिक निर्णायक साबित होने लगे हैं. हर मतदाता में राजनीतिक विकारों के कारण घर के पास स्ट्रीट लाइट न लगने, नाली दुरुस्त न होने पर अच्छे जनप्रतिनिधि को भी नकारने की प्रवृति दिखाई देने लगी है. अवैध गतिविधियों में लिप्त जनप्रतिनिधि भी अगर मतदाता के निजी स्वार्थ के लिए मुफीद है तो फिर उसके समर्थन का भी वही उपयुक्त अधिकारी है. ऐसी सोच लोकतंत्र को कमजोर कर रही है. समाज और मानवीय जीवन के विकास के बुनियादी विचार और सिद्धांत राजनीतिक विकारों के कारण बदलते जा रहे हैं।

चुनाव में जनादेश हथियाने के लिए झूठ को इस तरह जायज साबित किया जाता है जैसे जंग और प्यार में सब कुछ जायज है. लोकतंत्र के वर्तमान हालात राष्ट्र और राज्य की यूनिटी की बजाय बिखराव का कारण बनते जा रहे हैं. राज्य के लिए क्या जरूरी है इस पर चुनाव में विचार ही नहीं होता. मतदाता भी इस पर सोचे, राजनीति ऐसा अवसर ही निर्मित नहीं करती. गरिमापूर्ण जीवन के लिए बुनियादी सड़क-बिजली, पानी के मुद्दे तो कभी-कभार चर्चा में आ जाते हैं लेकिन शौचालय, अस्पताल, व्यक्तिक सुरक्षा, अपराध, राजनीतिक भ्रष्टाचार,परिवारवाद, तुष्टिकरण चुनाव के मुद्दे नहीं बन पाते हैं।

चुनाव में एक दूसरे दल के खिलाफ ऐसे मुद्दों का उपयोग कर विभाजन को बढ़ाना आम बात है लेकिन मतदाता ऐसे मुद्दों से अलग-थलग केवल निजी स्वार्थ की पूर्ति और जाति-संप्रदाय तक ही मताधिकार के निर्णय को सीमित रखने लगा है. यह परिस्थितियां लोकतंत्र के लिए सेहतमंद नहीं कहीं जा सकती. घात-प्रतिघात की राजनीति के आघात से समाज के आचरण व्यवहार और स्वभाव में अगर कोई नकारात्मक परिवर्तन आता दिखाई पड़ रहा है तो उसके बदलने के लिए सियासत को बदलना सबसे पहली जरूरत है।

राजनीति की यही कोशिश होती है कि बुनियादी मुद्दे दरकिनार ही रहें. निजी स्वार्थ और सतही विषयों पर जनमत को प्रभावित कर आगे निकला जाए. यह किसी एक दल की बात नहीं है यह तो राजनीति की ही समस्या बन गई है क्योंकि यह राजनीति का शॉर्टकट है. इसलिए इसके सुधार के लिए राजनीति से कोई अपेक्षा करना तो बेमानी ही होगी. लोकतंत्र में परिष्कार जनता की ही जरूरत है और जनता को ही इसे करना पड़ेगा।

राष्ट्रहित, राज्यहित, लोकहित और समाजहित को निजी हितों से ऊपर रखकर मताधिकार के उपयोग से ही सही मायने में समाज और देश विकसित होगा. हमारी सरकारें जैसे सक्षम लोगों से सब्सिडी छोड़ने का आव्हान करती हैं वैसे ही राजनीति को निजीहित की योजनाओं पर चढ़कर लोकतंत्र में जीत की आदत को छोड़ने की जरूरत है।

जीवन के सार को राजनीति के संसार का आधार बनाने का समय आ गया है. एक दूसरे को भ्रष्ट और झूठ की मशीन बताकर चुनावी वातावरण को बदरंग करने से लोकतंत्र का रंग नहीं जम सकेगा. सियासत आज समाज में समाई हुई है. सियासत के तरीके समाज भी अपनाने लगा है. अच्छी आदत तो देर से अनुकरण होती है लेकिन सियासत की बुराई का अनुकरण पूरे समाज को बुराई की ओर धकेले, इस पर समय रहते सजग होने से ही लोकतंत्र का परिष्कार होगा।

सरकारें और राज्यपाल के आपसी रिश्ते

-राकेश दुबे

75 साल के बाद भी देश में राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हो सके हैं।अब तो सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा है कि राज्यपालों को आत्मावलोकन करना चाहिए।हाल के वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्य सरकारों व राज्यपालों के बीच गहरे टकराव के मामले प्रकाश में आए हैं। विडंबना यह है कि ये मामले उन राज्यों में सामने आए जहां गैर-राजग सरकारें कार्यरत हैं।

महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक व तमिलनाडु के बाद हालिया विवाद पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार व पंजाब के राज्यपाल के बीच है। यह विवाद इतना बढ़ा कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि राज्यपालों को आत्मावलोकन करना चाहिए। जाहिर है विसंगतियों के हालात के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस गरिमामय संवैधानिक पद के अनुरूप गरिमामय टिप्पणी ही की है। कोर्ट का कहना है कि ऐसे मामले अदालत में पहुंचें उससे पहले राज्यपाल को मामले में कार्रवाई करनी चाहिए।

पंजाब में लंबे समय से भगवंत मान सरकार व राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के बीच कई मुद्दों को लेकर टकराव चला आ रहा है । दरअसल, राज्यपाल ने तीन धन विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में एक नवंबर को दो विधेयकों को मंजूरी दे दी थी। इससे पहले भी राज्यपाल ने पिछले महीने बुलाए गये पंजाब विधानसभा के सत्र को अवैध तक बता दिया था। इस मामले में शीर्ष अदालत में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्यपालों को मामला कोर्ट आने से पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए। यह परिपाटी खत्म होनी चाहिए कि मामला सुप्रीम कोर्ट आने पर राज्यपाल कार्रवाई करेंगे। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने राज्यपालों को आत्मावलोकन की जरूरत बताते हुए नसीहत दी कि उन्हें पता होना चाहिए कि वे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। जाहिर है कि कोर्ट का सीधा अभिप्राय है कि माननीय कहे जाने वाले राज्यपाल पद की मर्यादा के अनुरूप ही व्यवहार करें।

विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल केंद्र में सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधि के तौर पर काम करते देखे गए हैं।निस्संदेह, यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिये विडंबना ही कही जाएगी कि राज्यपाल किसी राज्य सरकार के कार्यों में बाधा डालें व कैबिनेट के फैसलों को अनुमति देने में आनाकानी करें। राज्यपाल का काम किसी भी राज्य को किसी भी तरह के संवैधानिक संकट से ही बचाना होता है। वे राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने के लिये नियुक्त किये जाते हैं ताकि राज्य के विकास के कार्य सुचारू रूप से चलाए जा सकें। मगर यदि वे सरकार बनाने व गिराने के खेल में शामिल होंगे तो निश्चित रूप से राज्यपाल के पद को आंच आएगी।

महाराष्ट्र में भी राजनीतिक विद्रूपताओं के चलते उत्पन्न अस्थिरता के दौर में राज्यपाल की भूमिका को लेकर तीखे सवाल उठे और मामला शीर्ष अदालत तक भी पहुंचा था। ऐसा ही टकराव पश्चिम बंगाल में ममता सरकार के शासन के दौरान भी नजर आया था। विडंबना यही है कि राज्यपाल के पद पर समाज के विद्वानों व प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नियुक्त करने के बजाय रिटायर राजनेताओं को बैठाने का खेल दशकों से जारी है। इस खेल में भाजपा से लेकर कांग्रेस तक कभी पीछे नहीं रहे। जिसके चलते वे पद पर बैठते ही अपने पर 'कृपा करने वाले दल' की निष्ठाओं को निभाने के लिये संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करने लगते हैं। फिर चुनी हुई सरकार से टकराव की खबरें सूचना माध्यमों में तैरने लगती हैं।

निश्चित रूप से इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत नहीं कही जा सकतीं। वहीं दूसरी ओर पंजाब के राज्यपाल की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील थी कि राज्यपाल ने उनके पास भेजे गए विधेयकों पर कार्रवाई की थी। साथ ही यह भी कि पंजाब सरकार द्वारा दायर याचिका एक अनावश्यक मुकदमा है। बहरहाल, राज्यों व केंद्र सरकारों के मध्य एक पुल का काम करने वाले राज्यपाल को राज्य के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही जनता द्वारा चुनी गई सरकार द्वारा उठाये गये कदमों को संबल देना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र राज्यपालों से नीर-क्षीर विवेक के साथ दायित्व निभाने की अपेक्षा करता है।

धनतेरस-विशेष गुणात्मक समृद्धि की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

-ललित गर्ग-

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता हैं। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करतें हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सकें यह समृद्धि

केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और उसकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस 'आयुर्वेद' का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम रूस-यूक्रेन, हमास-इजरायल युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगे।

धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है। इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है। इस प्रवृत्ति के बड़े खतरनाक नतीजे सामने आ रहे हैं। समृद्धि की तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ने जीवन मूल्यों के प्रति अनास्था को पनपाया है। समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिए शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिए जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधनों का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे। पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो, भोग के साथ संयम भी जरूरी है। भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नगर परिषद सीएमओ ने की पटाखा दुकानें आवंटित

औबेदुल्लागंज संवाददाता .नगर परिषद प्रांगण में अस्थाई आतिशबाजी लाइसेंस का ड्रॉ किया गया जिसमें समस्त आतिशबाजी अस्थाई लाइसेंस धारी उपस्थित रहे उसके पश्चात समस्त आतिशबाजी लाइसेंस धारी का सहमति लेकर मुख्य नगर परिषद अधिकारी श्रीमती सोनाली शर्मा उप यंत्री मुकेश जैन एवं समस्त राजस्व शाखा के द्वारा ड्रा की प्रक्रिया की गई सभी का ड्रॉ किया गया एवं दुकान नंबर आवंटित किए गए उसके उपरांत दशहरा मैदान कृषि फार्म सब्जी मार्केट बाजार में जाकर चूने की लाइन डलवा कर 1 से 77 दुकानों को चिन्हित कर प्रक्रिया को पूर्ण किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त अस्थाई लाइसेंस धारीयो का सहयोग प्राथनिय है इसकी हम सरायना करते हैं इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे

त्यौहारों के दृष्टिगत नौगांव में मिठाइयों के लिये गए नमूने

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देश पर जिले में त्यौहारों के मद्देनजर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मिठाई बनाने वाले प्रतिष्ठानों का लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही खाद्य सामग्रियों का निरीक्षण कर नमूने लेकर जांच हेतु भेजा जा रहा है। साथ ही दूषित खाद्य सामग्री के विनिष्टीकरण की कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशन में बुधवार को नौगांव में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वंदना जैन द्वारा पुलिस बल की मौजूदगी में बस स्टैंड स्थित मिठाई एवं खोवा दुकानों की जांच की गई। मौके पर पहलवान खोवा भंडार से खोवा का नमूना, आशीष खोवा भंडार से खोवा का नमूना, शांति स्वीट्स कोठी चौराहा से खोवे के पेड़े का नमूना तथा बीकानेर स्वीट्स से गजक का नमूना जांच हेतु लिया जाकर खाद्य प्रयोगशाला भोपाल जांच हेतु भेजा जा रहा है। मौके पर विक्रेताओं को परिसर में साफ सफाई रखने एवं खाद्य पदार्थ ढककर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

चुनाव प्रचार में बाल श्रम का उपयोग पूर्णतः वर्जित है, बाल श्रम को रोकें, कराने वाले को टोकें

छतरपुर,। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिग बच्चों का निर्वाचन के दौरान राजनैतिक पार्टियों प्रत्याशियों द्वारा किसी भी प्रकार के चुनावी कार्य में बाल श्रम नहीं कराये जाने हेतु निर्वाचन गाइडलाइन फरवरी 2019 की कंडिका 19.12.1 के माध्यम से पूर्णतः निषेध किया गया है। बच्चों से चुनाव का प्रचार-प्रसार रैली, बैनर, झंडे, सामान उठाने या अन्य कोई बाल श्रम कराते पाए जाने पर बाल श्रम कानून एवं किशोर न्याय अधिनियम के तहत कठोर कार्यवाही किये जाने के निर्देश चुनाव आयोग द्वारा जारी किये गए हैं। बाल श्रम पाए जाने पर इसकी शिकायत बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास छतरपुर से की जा सकती है।

कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में पूर्व जिप अध्यक्ष का प्रभावी जनसम्पर्क

धार। कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती प्रभा बालमुकुंदसिंह गौतम के समर्थन में पूर्व जिप अध्यक्ष मनोजसिंह गौतम ने आमखेड़ा से अपने जनसम्पर्क की शुरूवात की। इसके बाद ज्ञानपुरा बोरदा, खरमपुर, सिंदोडा, सिंदोडी, चंदवाडा, सिमलावदा आदि क्षेत्रों में प्रभावी जनसम्पर्क किया। इस दौरान श्री गौतम ने मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती गौतम को भारी मतो से विजय बनाने का आर्शीवाद मांगा। जनता ने जनसम्पर्क के दौरान श्री गौतम का जमकर स्वागत किया। इस दौरान मतदाताओं से कहा कि कांग्रेस सरकार बनेगी तो बिजली का बिल सौ यूनिट माफ, दो सौ यूनिट हाफ होगा। उन्होंने कांग्रेस के दिए वचन पत्र के सारे वादे पूरे करने की बात कही। इस दौरान भाजपा से त्रस्त होकर ईश्वयम्भु चौधरी, राहुल लववंशी, दिनेश कामदार चिल्लुर ने श्री मनोज गौतम के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर कांग्रेस को भारी मतो से जीताने का संकल्प लिया। इस दौरान जनसम्पर्क में कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष तिरला कृष्णा पाटीदार, बंटी कामदार, गोपाल पटेल बोरदा, शुभम पटेल, डा मयंक चौधरी, गोविंद बोरवाले, देवेन्द्र लववंशी, महेश रामपुर वाला, अरविन्द पाटीदार, धनश्याम लववंशी, पंकज लोधा, लखन पटेल, संतोष पटेल, राजेश कामदार, वर्दीचंद्र चौधरी, दिनेश मोदी, योगेश पाटीदार, शिवनारायण पाटीदार, दिलीप पाटीदार व सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा सघन जनसंपर्क

बैरसिया।।बैरसिया विधानसभा की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती जयश्री हरिकरण लगातार शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में लगातार जनसंपर्क कर रही है।

बुधवार को ग्राम देवलखेड़ा सलोई संगराज निदनपुर पिपरिया पथरिया खितवास जूनापानी बोडपुरा बागापुरा गोड़ीपुरा चांदा सलोई शाहपुरा चाटाहेड़ी गंगाखेड़ी ढेकपुर रमपुरा मोहनपुरा कडैया शाह मोतीपुरा तारावली खुर्द मुड़ला चट्टान झांगर कंदीखेड़ी गुजर तोड़ी आदि गांवों में जनसंपर्क कर मतदाताओं से आशीर्वाद लेकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई।नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती जयश्री हरिकरण ने कहा कि कमलनाथ अपने वचनपत्र के पक्के है। वह जो कहते है वह करते है।कांग्रेस ने वचन पत्र के माध्यम से सभी वर्गों के हित मे वचन दिया है।महिलाओं ने कहा कि हम नही सहेंगे महंगाई की चोट इस वार कांग्रेस को हमारा वोट जनसंपर्क के दौरान ग्रामीण क्षेत्र की महिला ने कांग्रेस प्रत्याशी जयश्री हरिकरण की आरती उतार कर पुष्प मालाओं से स्वागत करते हुए कहा कि लाडली बहना नही सहेगी महंगाई की चोट इसलिए आपकी बार जयश्री हरिकरण को हमारा वोट।

राजकुमार पटेल जी ने ग्राम कनोरा व रोजड़ा जनसंपर्क किया , दौरान जनसंपर्क छोटे बच्चो से वार्तालाप भी की और गाँव के लोगो को कांग्रेस के वचन पत्र के बारे में बताया और सभी से कांग्रेस को वोट देने की अपील भी की। मो.आरिफ पटेल जिला उपाध्यक्ष कनौरा इमरान पटेल,हसीब पटेल ,राशिद पटेल,खालिद पटेल,हाजी मजीद, कामता पल, हीरा लाल पटेल, शमीम भाई,गुडलक मिया रोजदा, आथर भाई,बेनी प्रसाद

नरसिंह की भूमि पर प्रह्लाद के पक्ष में सनातन के शेर का आह्वान

नरसिंहपुर। 8 नवंबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करेली में नरसिंहपुर विधानसभा सहित जिले की चारों विधानसभा के भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष के मतदान करने के लिए आह्वान करते हुए विशाल जनसभा को सम्बोधित किया।

उल्लेखनीय की मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का मतदान 17 नंबर को होना है नरसिंहपुर विधानसभा शहर जिले की सर्व विधानसभाओं गोटेगांव गाडरवारा तेंदूखेड़ा विधानसभा के भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय श्री राम के नारे के साथ जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास लोककल्याण का विजन नहीं, प्रहलादजी को मजबूत कीजिए, विकास में कभी कमी नहीं हो

भाजपा के स्टार प्रचारक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि कांग्रेस ने देश को सिर्फ समस्याएं दी हैं, जबकि भाजपा ने सतत रूप से समाधान प्रदान किए हैं। हमने उत्तरप्रदेश में इस समस्या को ही खत्म कर दिया है। भाजपा ने समस्याओं के सहारे सत्ता पाने का षडयंत्र कभी नहीं किया, लेकिन कांग्रेसी यही करते रहे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटैल ने कांग्रेस के गुंडाराज और आतंक से जिस तरह संघर्ष किया है, वो प्रेरणादायी है। नंगे पांव ही सड़कों पर निकल पड़ने वाले प्रहलाद जी ने कभी ये नहीं सोचा कि विधायक, सांसद और मंत्री बनना है। श्री योगी करेली में नरसिंहपुर जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद कैलाश सोनी, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटैल एवं विधायक जालम सिंह पटैल भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा, विधानसभा प्रत्याशी विश्वनाथ सिंह पटेल महेंद्र नागेश, पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार, भैया राम पटेल, नरेश पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति निलेश काकोड़िया जनपद अध्यक्ष प्रतिज्ञा परिहार नगर पालिका अध्यक्ष पं. नीरज महाराज सुशीला ममार जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर जिला महामंत्री ठाकुर राजीव सिंह महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निशा सोनी नगर पालिका उपाध्यक्ष अनीता नेमा सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा के पास स्पष्ट विजन

श्री योगी ने कहा कि भाजपा के पास स्पष्ट विजन है। हमें गरीबों का कल्याण और मातृशक्ति के स्वाभिमान की रक्षा के संकल्प को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कारण देश का विभाजन हुआ। कांग्रेस की अति सत्ता लिप्सा न होती तो जो कार्य आज हो रहे हैं, वे पहले भी हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने कभी देश के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटैल ने 1947 में सोमनाथ मंदिर के विकास की योजना तैयार की, लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उसका विरोध किया। उत्तर प्रदेश में जैसे ही डबल इंजन की भाजपा सरकार आई। समस्याओं के समाधान होने लगे। उन्होंने कहा कि मुझे जब पता चला कि राहुल गांधी केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने गये हैं तब मुझे लगा कि ये अच्छा है कि राहुल भी समझ गये कि उनके लिए सही रास्ता क्या है। उन्होंने बताया कि जब कांग्रेस की सरकार थी कुछ नहीं किया गया। मप्र में शिवराज सरकार ने महाकाल लोक का भव्य निर्माण कराया। काशी में शिवजी की अनूठी छटा दिखाई दे रही है। विकास की याजनाओं की बात करें तो हाईवे, रेलवे, एम्स की संख्या बढ़ रही है। पर्यटन की दृष्टि से भी हम नई ऊंचाईयों को स्पर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पांच सौ सालों के संघर्ष के बाद आज वो शुभ दिन आ गया है, जब हम राममंदिर का निर्माण कर रहे हैं और 22 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे।

हमने किया विरासत का संरक्षण

जब प्रहलाद पटैल केन्द्रीय संस्कृति थे तब उन्होंने देश के प्रत्येक प्राचीन स्थल को नया रूप प्रदान किया और पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई। ये सभी कार्य कांग्रेस भी कर सकती थी, लेकिन नहीं किये गये। हमारी गरीब कल्याण की योजनाएं भी प्रगति पर हैं। शौचालय निर्माण, पीएम आवास, बिजली कनेक्शन, महिलाओं के लिए उज्ज्वला योजना भाजपा लेकर आई। कांग्रेस के पास कभी एक भी योजना ऐसी नहीं थी। कांग्रेस लोककल्याण नहीं करती, क्योंकि परिवार काकल्याण ज्यादा आवश्यक है। समाधान किया भाजपा ने।

प्रह्लाद जी को धन्यवाद देंगे योगी

भाषण के प्रारंभ में श्री योगी ने कहा कि वे राम की धरती से आज भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान की धरती नरसिंहपुर में आए हैं, ये उनका सौभाग्य है। उन्होंने प्रहलाद पटैल को यहां बुलाने के लिए धन्यवाद देते हुये कहा कि उन्होंने हैलीपैड पर ही देख लिया था कि प्रहलाद जी यहां के सर्वमान्य नेता हैं, लेकिन आग्रह ये है कि नरसिंहपुर के सभी प्रत्याशियों को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाना है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात ये है कि प्रहलाद जी के प्रत्याशी बनने से पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता का उत्साह बढ़ गया है।

योगीजी ने बदली है सोच

केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटैल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म, संस्कृति और विरासतों को लेकर देश की सोच में परिवर्तन किया है। उत्तर प्रदेश में उनके नेतृत्व में जो कायाकल्प हुये हैं, वे सब जानते हैं। श्री पटैल ने कहा कि योगीजी के नेतृत्व से ही ये संभव हुआ कि अब तक हमने मंदिर टूटने का इतिहास पढ़ा है, लेकिन अब हम मंदिर निर्माण का इतिहास पढ़ सकेंगे।

आम सभा की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा एवं विधायक मीडिया प्रभारी कौशलेन्द्र जाट व वैभव नेमा ने बताया कि सभा का संचालन महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी व आभार नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने किया सभा में हजारों की संख्या में क्षेत्र की जनता उपस्थित रही सभी ने योगी योगी व जय श्री राम के नारों से योगी आदित्यनाथ जी का अभिवादन किया

कांग्रेस के गढ़ में भाजपा ने लगाई सेंध ,ग्राम भारकच्छ कलां में योगी आदित्यनाथ की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब

बरेली। कांग्रेस स्वंय में एक समस्या है। कांग्रेस समस्या है तो भाजपा समाधान। हम समस्याओं पर नहीं उसका समाधान निकालकर विकास की राह में आगे बढ़ते हैं। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश हो या उत्तरप्रदेश या देश के अन्य राज्य सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे हैं। यह बात उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने रायसेन जिले की उदयपुरा विधानसभा के भारकच्छ कलां में भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र शिवाजी पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। श्री योगी ने कहा उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के बहाने ऐसे समय में आगमन हुआ है जब सदियों पूर्व पूर्वी उत्तर प्रदेश को छोड़कर के इस क्षेत्र में पूरे क्षेत्र में मां नर्मदा के तट पर आकर के वसने वाले की कहानी और एक लंबे समय से वे इस क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं लेकिन भाइयों बहनों ऐसे समय आया था जब आपके पूर्वजों ने पूर्व उत्तर प्रदेश छोड़ा होगा उनके मन में एक टीस रही होगी कि उनके पूर्वजों के द्वारा पड़ोसी राम के मंदिर निर्माण के लिए जो बलिदान दिया गया था उसे भी पूरा नहीं कर पाए लेकिन भाइयों बहनों आज आपको खुशखबरी देने के लिए आया हूं कि 22 जनवरी को मंदिर में रामलीला विराजमान होने वाले हैं श्री योगी आदित्यनाथ योगी ने कहा कि आतंकवाद कांग्रेस की देन है। नक्सवाद और उग्रवाद कांग्रेस की देन रही है। कांग्रेस ने हमेशा विकास को रोकने का काम किया है। कांग्रेस जहां भी रहती है कांग्रेस की समस्या का पर्याय बन चुका है राजस्थान में चुनाव चल रहे हैं कांग्रेस पार्टी के मुखिया के रूप में राहुल गांधी इस समय केदारनाथ धाम की यात्रा कर रहे हैं और इसलिए भी चुनाव का सामना करने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जनता उन्हें जवाब देने वाली है इसीलिए मैं आप सबसे अपील करने के लिए आया हूं जो आपकी आस्था को सम्मान दें आपको सम्मान दे जो राष्ट्र को विकास की नहीं ऊंचाइयों तक पहुंच सके आने वाली समस्या के समाधान का मार्ग भी निकाल दे वही नेतृत्व करने की स्थिति में होता है जनता पार्टी की सरकार मध्य प्रदेश में आवश्यक है इसलिए भारतीय जनता पार्टी ने उदयपुरा विधानसभा से नरेन्द्र शिवाजी पटेल को आपके बीच में उतारा है नरेंद्र को अपना आशीर्वाद दीजिए और भारी बहुमत से भारतीय जनता पार्टी को यहां से विजय बनाएं7भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म, संस्कृति और विरासतों को लेकर देश की सोच में परिवर्तन किया है।

भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के विकास , विरासत एवं संस्कृति को आगे बढाने कार्य किया- मुनमुन

सिवनी- भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमेशा आदिवासी समाज का सम्मान बढ़ाया है आदिवासी समाज की महिला को राष्ट्रपति बनाया। साथ ही हमेशा आदिवासी समाज के हित और कल्याण के लिए काम किया। उनकी विरासत, विकास और संस्कृति को आगे बढने का काम किया। यह बात सिवनी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन ने चमारी मंडल में चुनावी जनसंपर्क के दौरान आमजनों से कहीं। भाजपा मंडल चमारी के अंतर्गत आने वाले ग्राम घुनई से जनसंपर्क अभियान आरंभ कर देवगांव, मटामा, नयेगांव, सूखामाल, ऊंटेकटा, ईमलीपठार, चमारी कलां, चमारी खुर्द, नांदियाकलां, इमलिया, कमली, तेंदनी, बडपानी, भरगा, लाठगांव, ढोंडा , सर्रा, झिरी, बक्सी, पहाडी, जोगीवाडा, दरबई, देवरीकलां, छिंदवाह, पौंडी, गुंदरई, नवलगांव, डांगावानी, खटकर, लुडगी, सागर, अंधियारी, पिंडरई एवं ग्राम बंजर मे सघंन जनसंपर्क कर मतदाताओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा आदिवासी समाज से झूठ बोलकर उनका फायदा लिया और उन्हें गुमराह कर हमेशा सत्ता हासिल करने का काम किया है। इसलिए उन्होंने आव्हान किया कि आदिवासी समाज कांग्रेस के बहकावे में ना आए और भाजपा के पक्ष में अपना जनसमर्थन देकर आदिवासी समाज, किसान, मातृशक्ति और गरीबो के हितो के संरक्षण को सुरक्षित करें। श्री राय ने आगे कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री ने प्रदेश के आदिवासी वर्ग को पेसा एक्ट के माध्यम से जल, जंगल, जमीन का अधिकार प्रदान किया। केन्द्र की मोदी सरकार ने मुफ्त राशन की व्यवस्था कर कोरोना महामारी के संकट से हर गरीब को मदद पहुंचाने का काम किया। गरीबों के सपनों को पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हर गांव में प्रधानमंत्री आवास बनाकर उन्हें पक्के घर में रहने का अधिकार दिया। दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिवार, समाज से लेकर देश के भविष्य को सुरक्षित एवं उज्जवल बनाने के लिए दिन.रात काम कर रहे हैं। बहनों का सम्मान करने के लिए प्रदेश में भाजपा सरकार ने लाडली बहन योजना शुरू की माता बहनों का सम्मान देश में शास्त्रों की दृष्टि से हमेशा होता रहा है लेकिन सरकार की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने पहली बार योजनाओं के माध्यम सें माता, बहनों का सम्मान सबसे बड़ी प्राथमिकता के रूप में रखा है। गांव के पढने वाले बच्चे ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर बने इसके लिए प्रधानमंत्री ने हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की अवधारणा तय की है सिवनी जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापना से सबको स्वास्थ्य लाभ मिल सकेगा। आयुष्मान भारत की योजना संकट में संजीवनी की तरह काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बैगा सहरिया समाज के लिए अलग से योजना बनाई गई है। देश के जनजाति समाज के सम्मान के लिए 15 नवंबर को जनजाति गौरव स्वाभिमान दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषित किया है।

मैं फालतू बातें नहीं करता , अपना समय विकास के कामों में लगाता हूं: चेतन्य काश्यप

- धान मंडी में विशाल आमसभा को किया संबोधितं

रतलाम। इस मंच पर मैं तीसरी बार अगले पांच वर्ष की दृष्टि, रतलाम को क्या चाहिए, उसके लिए यहां आया हूं। बीते दस वर्ष में किए गए कार्य आपके सामने है। आप सब जानते है कि मैं फालतू की बातें नहीं करता हूं। मैं अपना समय विकास में लगाता हूं। यह बात भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक चेतन्य काश्यप ने बुधवार रात धानमंडी में आयोजित विशाल आमसभा में कही।

श्री काश्यप ने कहा कि %%अब की बार 56 पार का नारा%% कार्यकर्ताओं ने दिया है। कार्यकर्ताओं ने मोदी जी के प्रतीकात्मक 56 इंच के सीने की बात को लेकर उनके प्रति जो कृतज्ञता ज्ञापित करना है, उसके लिए नारा निकाला है कि रतलाम मोदी जी का कृतज्ञ है और 56 हजार से जीत दिलाकर रहेगा। श्री काश्यप ने कहा कि विधायक बनने के बाद मेडिकल कॉलेज शुरू कराया, जिसका लाभ कोरोना काल में रतलाम ही नहीं पूरे अंचल की जनता को मिला। श्री काश्यप ने कहा कि नारे लगाने और भाषण देने से काम नहीं होता है। मैंने कहा था कि हम रतलाम को झुग्गी मुक्त बनाएंगे। आज 6 हजार चिन्हित परिवारों में से 3500 परिवारों को पक्के आवासों में पहुंचाया है। मेगा इंडस्ट्रीयल पार्क रतलाम की दशा और दिशा बदलेगा। कमल का फूल मेरी गारंटी और भाजपा मेरी वारंटी है। 4 दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि रतलाम मालवा का देश और दुनिया में सबसे बड़ा व्यापारिक केंद्र बनेगा।

अब इसे कोई नहीं रोक सकता है। हमारा प्रयास है कि अगले पांच वर्ष में दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपतियों को रतलाम लाकर उद्योग चालू कराए। इससे 1.75 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। महानगर भाषण से नहीं बनता है, उसके लिए प्रयास करना पड़ते है और उन्हे धरातल पर उतारना पड़ता है। गोल्ड काम्प्लेक्स निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। जिला प्रवास प्रभारी गुजरात विधायक केयूरभाई रोकड़िया ने कहा कि रतलाम के विकास का मैं साक्षी हूं। वर्ष 2008 से यहां आ रहा हूं। काश्यप के विधायक बनने के बाद मेडिकल कॉलेज बना और रतलाम से गुजरात उपचार के लिए आने वालों की संख्या कम हुई है, क्योकि मरीजों को यहीं बेहतर उपचार मिल रहा है। गुजरात में अब सिर्फ स्पेशलाइजेशन के लिए मरीज आते है।रतलाम प्रवास प्रभारी विधायक अल्पेश भाई ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश से कांग्रेस सरकार क्यों गई और फिर आई क्यों नहीं इस पर आज के युवाओं को विचार करना चाहिए। मैं जब यहां आया और काश्यप जी से पहली बार मिला तो पता चला कि इनके लिए रतलाम और यहां की जनता के लिए बहुत प्यार है। वे नई सोच रखते है। रतलाम और यहां की जनता के विकास की सोच रखने वाला विधायक मिलना सौभाग्य की बात है। बच्चा जब रोता है तब हम चॉकलेट देने में भी सोचते है लेकिन काश्यप ने कोरोना काल में तिजोरी खोल दी थी। महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि विधायक के कार्यों की तुलना करना विपक्ष के नेताओं के बस की बात नहीं है। रतलाम में हमने इतिहास बनाया है, 260 काम नगर निगम ने सवा साल में जमीन पर उतार दिए है, जिनकी लागत 250 करोड़ रूपए है।

भाजपा सरकार में हुआ मध्यप्रदेश का विकास भाजपा प्रत्याशी अरुण के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री ने भरी हुंकार

शाजापुर । विकास की अपार संभावनाओं वाला प्रदेश मध्यप्रदेश है। पिछले 20 वर्षो में जो विकास यहां हुआ है वह पहले कभी नहीं हुआ। पहले इसे बीमारू राज्य कहा जाता था,लेकिन अब विकसित राज्यों में इसकी गिनती होती है। अब यहां की पूरी तस्वीर ही बदल गई है।

यह बात गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ने कही। वे बुधवार को शाजापुर विधानसभा के ग्राम चौसला कुलमी में भाजपा प्रत्याशी अरुण भीमावद के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मप्र का विकास भाजपा सरकार में हुआ है। लाखो किलोमीटर सड़क का निर्माण इस सरकार ने किया है। बिजली और पानी की समस्याओं को इस सरकार ने दूर किया है। नागरिकों की समृद्धि के लिए भाजपा सरकार ने विभिन्न योजनाएं चला रखी है। डबल इंजन सरकार के कारण गुजरात सहित मप्र का संपूर्ण विकास हुआ है इसलिए मप्र में फिर से डबल इंजन सरकार बनाना है। मुख्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि 2014 के पहले का भारत हमने देखा है और वर्तमान भारत को देख रहे है। नामुमकिन कामों को मुमकिन करके देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने पूरे विश्व में भारत के नाम का डंका बजाया है। जब से नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने है ,तबसे केदारनाथ बद्रीनाथ ओर उज्जैन में महाँकाल मंदिर का विकास किया गया है ,आज उज्जैन का महाँकाल लोक पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गया है ,पूरे देश से लाखों लोग महाँकाल के दर्शनों के लिए आ रहे हैं कार्यक्रम में शाजापुर विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थिति थे।

ग्राम रामपुर में कांग्रेस नेता के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बसपा की सदस्यता ली

छतरपुर। मध्य प्रदेश की छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी डीलमणि सिंह बब्बू राजा का चुनाव प्रचार लगातार जोर पकड़ता जा रहा है! उन्होंने बुधवार को खरका, वनपुरा, रामपुर,टुडर, ढ़ीलापुर, मलपुरा मे जनसंपर्क के दौरान मतदाता बब्बूराजा को गरीबों का मसीहा बता रहे हैं! और खुलकर कसमे भी खा रहे हैं कि इस चुनाव में लोग पूरी ईमानदारी से आपको अपना वोट देंगे ! हम आपको बता दे की ग्राम रामपुर में कांग्रेस नेता जगतराज अहिरवार के साथ सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने बसपा की सदस्यता ली और बसपा को मजबूती देने का वादा किया !बसपा प्रत्याशी और उनके हजारों समर्थक भी छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव घर-घर जाकर मतदाताओं से पूरी विनम्रता के साथ अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं मधुवासी स्वभाव के धनी बसपा प्रत्याशी बब्बू राजा यदि विधायक बने तो मतदाता जानते हैं कि वे बगैर किसी लोग लालच के छतरपुर विधानसभा क्षेत्र का चहुमुखी विकास करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे ! बब्बू राजा दो बार छतरपुर किसी उपज मंडी के अध्यक्ष रह चुके हैं उसे दौरान उन्होंने किसानों के हित में जो काम किया उन्हें ग्रामीण जनता अभी तक भूली नहीं है ! बब्बू राजा का नाम सिर्फ छतरपुर विधानसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि समूचे जिले में बेहतरीन प्रभाव है लोगों के सुख-दुख में शामिल होना उनके स्वभाव में शामिल है

प्रारुप C-1

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम अन्य भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम और पता:- गोपाल सिंह डेहरिया, ग्राम कोनापिंडरई, पोस्ट सॉख, तहसील चौरई, जिला छिंदवाड़ा

राजनीतिक दल का नाम:- निर्दलीय

(स्वतंत्र अभ्यार्थी यहां निर्दलीय लिखे)

निर्वाचन का नाम:- मध्य प्रदेश विधानसभा

निर्वाचन क्षेत्र का नाम :- 124 चौरई विधानसभा, जिला छिन्दवाड़ा मध्यप्रदेश

मैं गोपाल सिंह डेहरिया (अभ्यर्थी का नाम), उपयुक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं।

क्रं. सं.	लंबित आपराधिक मामले		आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण		
	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ए) एवं अपराध (अपराधी) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों) की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण
1	अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश महोदय चौरई	सत्र प्रकरण क्रमांक एसटी/17/2023	29, 323, 365, 34 धारा	अपर एवं जिला सत्र न्यायधीश महोदय चौरई	विचाराधीन
2	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही के लिए कैप्टन पाइप्स लिमिटेड ने शानदार वित्तीय परिणामों की घोषणा की

राजकोट , एजेंसी। पीवीसी पाइप्स इंडस्ट्री की लीडिंग कंपनियों में से एक, कैप्टन पाइप्स लिमिटेड कैप्टन (बीएसई 538817) ने हाल ही में आयोजित होने वाली अपनी बोर्ड मीटिंग में 30 सितंबर 2023 को खत्म हुई तिमाही और छह माही के लिए कंपनी के अन-ऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स को अप्रूव कर दिया है। हेल्दी ग्रोथ वॉल्यूम की वजह से ऑपरेशनल रेवेन्यू 8.2 प्रतिशत बढ़ गया, जो फाइनेंशियल ईयर 23 की दूसरी तिमाही में 1545.82 लाख रुपये से फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में 1672.24 लाख रुपये हुआ। सेल्स में हाई मार्जिन वाले प्रोडक्ट्स के जुड़ने के कारण एबिटा एबीटा 251 प्रतिशत बढ़ गया,जो फाइनेंशियल ईयर 23 की दूसरी तिमाही में 47.94 लाख रुपये से फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में 168.64 लाख रुपये पहुंचा। एबीटा मार्जिन फाइनेंशियल ईयर 23 की दूसरी तिमाही में 3.10 प्रतिशत से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में 698 बीपीएस द्वारा 10.08 प्रतिशत हो गया। प्रॉफिट बिफोर टैक्स 706.37 प्रतिशत बढ़ गया,जो फाइनेंशियल ईयर 23 की दूसरी तिमाही में 14.91लाख रुपये से फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में 120.23 लाख रुपये हुआ। फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़कर 103.96 लाख रुपये हुआ।

भारतीय निर्यातक अमेज़ॅन ग्लोबल सेलिंग पर बम्पर हॉलिडे शॉपिंग सीजन के लिए तैयार

बेंगलुरु एजेंसी। अमेज़ॅन ने आज घोषणा की कि उसके अमेज़ॅन ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम पर भारतीय निर्यातक वार्षिक ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे (बीएफसीएम) बिक्री कार्यक्रमों के दौरान दुनिया भर के ग्राहकों के लिए लाखों मेड इन इंडिया उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए तैयार हैं। इस वर्ष ग्राहकों के पास खरीदारी के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक दिनों का समय होगा। भारतीय निर्यातकों ने 17 नवंबर को शुरू होने वाली और 27 नवंबर को समाप्त होने वाली बिक्री कार्यक्रम के लिए अमेज़ॅन की वैश्विक वेबसाइटों पर 50,000 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च किए हैं। वैश्विक स्तर पर अमेज़ॅन के ग्राहक भारत भर के निर्यातकों के परिधान, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत देखभाल, कार्यालय उत्पाद, आभूषण, सौंदर्य और फर्नीचर होम और किचन, एसटीईएम खिलौने सहित विभिन्न श्रेणियों के उत्पादों को देख सकेंगे। ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे वैश्विक स्तर पर छुट्टियों के मौसम की शुरुआत को चिह्नित करने वाली महत्वपूर्ण घटनाएं हैं और इस समय ग्राहक घर पर उपयोग के लिए और दोस्तों और परिवार को उपहार देने के लिए वस्तुओं की तलाश में होते हैं। अमेज़ॅन ग्लोबल सेलिंग निर्यातकों को वर्ष के दौरान कई पीक शॉपिंग सीज़न और वैश्विक प्रोग्राम उपलब्ध कराता है।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

धार एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2023 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को तूफ़ान, ओलावृष्टि, बाढ़, तूफ़ानी बारिश, बेमौसम बारिश, बादल फटने, प्राकृतिक कारणों से लगी आग जैसे कई बाहरी ख़तरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुक़सान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि सीसीई में फसल के कम आँकड़े पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल की पैदावार कम हुई है, जिसके लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा। ट्रुस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पादों को मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से अनुमोदन मिला है।

क्रिशका स्ट्रैपिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के परिणामों की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी । भारत की प्रथम और एकमात्र लीड-फ्री स्टील स्ट्रैपिंग निर्माता, क्रिशका स्ट्रैपिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के अपने अनआडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है. वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के प्रदर्शन पर कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री एल. बालामणिकंदन ने कहा कि क्रिशका स्ट्रैपिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड के वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के दौरान के वित्तीय प्रदर्शन पर हम अपडेट देते हुए हर्षित है. यह घोषणा करते हुए रोमांचित है कि कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के दौरान ?4,849.42 लाख की उल्लेखनीय आय प्राप्त की है, जो वित्त वर्ष 23 की कुल आय का लगभग 67 प्रतिशत है. वित्त वर्ष 24 की इस प्रारंभिक अवधि में कंपनी द्वारा हासिल की गई शानदार ग्रोथ के चलते हमें अत्यधिक गर्व है. आगे वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही को देखते हुए और ज्यादा प्रभावशाली प्रदर्शन करने के बारे में हमारी प्रतिबद्धता पर हम कायम है. हमें हमारे वित्तीय प्रदर्शन में और सुधार होने की उम्मीद है और हम आने वाले सुअवसरों को अंगीकार करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं. ऑपरेशनल परिपेक्ष से हमने अनेक ग्राहकों के साथ सहयोगात्मक संबंध मजबूत करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किया है, जिससे बिक्री की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है. इस उपलब्धि से ना सिर्फ हमारी बिक्री बढी है बल्कि नए ग्राहक बनाने में भी मदद मिली है जिससे छमाही के दौरान विस्तार बरकरार रखने के हमारे समर्पण की भी फिर से पुष्टि हुई है.

एसएमएफजी गृहशक्ति ने मध्य प्रदेश में किया अपना विस्तार; सागर में नई शाखा का शुभारंभ

सागर एजेंसी। भारत में किफायती आवास ऋण के क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, एसएमएफजी गृहशक्ति ने सागर में एक नई शाखा के उद्घाटन के साथ मध्य प्रदेश में अपने रणनीतिक विस्तार की घोषणा की। यह राज्य में एसएमएफजी गृहशक्ति द्वारा स्थापित 13वीं शाखा है, जिससे कंपनी की मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए किफायती आवास ऋण की सुविधा प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में राज्य में और विस्तार करने की योजना बनाई है।

बदलते मौसम में भी श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 और 111 गेहूं बीज से मिल रही किसान को बेहतर उत्पादकता

मुंबई, एजेंसी। मध्य प्रदेश के किसानों ने बताया कि डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की युनिट श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स की ओर से पेश किए गए श्रीराम सुपर 1एसआर-14 और 111 गेहूं बीज से उनकी उत्पादकता बढ़ी है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने किसानों की फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए लिए आधुनिक एवं अनुसंधान-उन्मुख प्रोडक्ट्स विकसित किए हैं।

कई वर्षों से श्रीराम सुपर 111 और श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 गेहूं बीज मध्य प्रदेश के किसानों में बेहद लोकप्रिय हैं। श्रीराम फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा इन किस्मों को तैयार किया गया है।

श्रीराम सुपर 111 और 1एसआर-14 गेहूं बीज इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनका दाना बड़ा, कठोर और चमकदार है, साथ ही इनकी गेहूं से बनी चपाती बहुत अच्छी गुणवत्ता की होती है। और सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं।

रेवा के एक अनुभवी किसान पुरषोत्तम सिंह जी ने अपने खेत में श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 गेहूं बीज की बुवाई की थी और वे इसके बेहतर परिणाम से काफी प्रभावित हुए हैं। उनका कहना है कि इसमें कल्लों की संख्या अधिक और बालियों की लम्बाई काफी ज़्यादा है, साथ ही साथ उन्हें प्रति बाली दानों की संख्या 60-65 प्राप्त हुई। वे अन्य किसानों को भी श्रीराम सुपर 1-एसआर-14 लगाने की सलाह देते हैं।

साथ ही साथ श्रीराम द्वारा बाज़ार में दी जा रही किस्म श्रीराम सुपर 111 से किसान बहुत खुश हैं व उत्तम परिणाम पा रहे हैं। गत वर्ष, नरसिंहपुर के किसान गुरेन सिंह ने श्रीराम सुपर 111 गेहूं बीज की बुवाई की थी। उनका कहना है कि जहां अन्य किस्म में प्रति बाली 55-60 दाने प्राप्त हुए थे, वहीं श्रीराम सुपर 111 की प्रति बाली में 80-100 दाने पाएगए। गुरेन सिंह उपज के अंतर की बात करते हुए कहते हैं कि उन्हें श्रीराम सुपर 111 में 22-25 क्विंटल प्रति एकड़ उपज मिली, वहीं अन्य किस्म में 18-20 क्विंटल प्रति एकड़ ही उत्पादन मिला। इस साल भी वो अपनी पूरी ज़मीन पर श्रीराम सुपर 111 बीज ही लगाएंगे। श्रीराम सुपर 111 और 1एसआर-14 गेहूं बीज के साथ साथ, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के अन्य प्रोडक्ट जैसे श्रीराम सुपर 252 और श्रीराम सुपर 303 भी पिछले कुछ सालों से अपनी शानदार परफॉर्मेन्स के चलते किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स 134 वर्ष पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की एक इकाई है। एक अग्रणी बिज़नेस ग्रुप जिसका टर्नओवर 12080 करोड़ है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स एग्री-इनपुट जैसे बीज, स्पेशलटी न्यूट्रिशन एवं फसल संरक्षण श्रेणियों के कारोबार में सक्रिय है।

साइकिल से चलते हैं, गांव में बनाया ऑफिस, कंपनी 8,000 करोड़ की, श्रीधर वेम्बू की कहानी सुन हैरान रह जाते हैं लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। आप छोटे शहर या गांव से आते हों और पढ़ाई के बाद अमेरिका जैसे देश में शानदार पैकेज पर जॉब लग जाए तो क्या हो। आप शायद अपने आप को बहुत लकी मानते और अमेरिका में जॉब करते हुए वहीं बस जाते। लेकिन श्रीधर वेम्बू तो किसी अलग ही मिट्टी के बने हुए थे। वेम्बू तमिलनाडु की एक मिडिल क्लास फैमिली में पले बढ़े। तमिल भाषा में प्राइमरी एजुकेशन पूरी की। आईआईटी मद्रास से 1989 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की। और इसके बाद पीएचडी करने के लिए अमेरिका चले गए। वहां उनकी अच्छी-खासी जॉब भी लग गई थी। लेकिन वेम्बू सब कुछ छोड़कर भारत आ गए।

अमेरिका की नौकरी छोड़ आ गए गांव

जब श्रीधर अमेरिका की अच्छी-खासी जॉब छोड़कर भारत आए तो उनके रिलेटिव हैरान रह गए थे। उन्होंने श्रीधर को खूब समझाया, लेकिन श्रीधर ने किसी की नहीं सुनी। श्रीधर वेम्बू ने सोच लिया था कि वे भारत में रहकर अपना बिजनस डालेंगे। और कुछ समय बाद ही इस इंजीनियर ने लोगों को गलत साबित कर दिया। गांव में ऑफिस खोलकर उन्होंने अरबों डॉलर की कंपनी खड़ी कर दी। हम बात कर रहे हैं जोहो की, जो सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस सर्विस प्रोवाइड कराती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी के लिए एक स्वचालित अनुसंधान / पता लगाने की विधि खोजी है

जोधपुर, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी का पता लगाने के लिए कंप्यूटर-एडेड डायग्नोसिस (डीप लर्निंग) आधारित एक नया दृष्टिकोण विकसित किया है। कंप्यूटर-सहायिता निदान उच्च नैदानिक सटीकता के साथ हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी की प्रारंभिक पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । जो सस्ता, सुविधाजनक, (चिकित्सकीय एवं सर्जिकल विनियम रहित) है और इसमें कम संसाधनों की आवश्यकता होती है।

यह अनुसंधान कार्य 'बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग एंड कंट्रोल जर्नल' में प्रकाशित किया गया है और हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी डायग्नोसिस के लिए एक विस्तृत समीक्षा अध्ययन 'कंप्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्राम्स इन बायोमेडिसिन' में भी प्रकाशित किया गया है। इसअनुसंधान /शोधकार्यका सह-लेखन सुश्री सुप्रिया सुमन, पीएचडी रिसर्च स्कॉलर, अंतःविषयअनुसंधान प्रभाग- स्मार्ट हेल्थ केयर, भा. प्रौ.सं. जोधपुर;डॉ. अनिल कुमार तिवारी, प्रोफेसर, विद्युतअभियांत्रिकी विभाग, भा. प्रौ.सं. जोधपुर; श्री तेजस इंगले, चतुर्थवर्षबीटेकछात्र, यांत्रिकअभियांत्रिकी विभाग, भा. प्रौ.सं. जोधपुर; और डॉ. कुलदीप सिंह, प्रोफेसर, बाल रोग विभाग, एम्स जोधपुरद्वारा कियागया हैं।

उच्च रक्तचाप एक ऐसी प्रसारी स्थिति है जो वृध्दों और युवाओं दोनों को प्रभावित करती है, जिससे मृत्यु और अस्थिति के वृद्धि होने की आशंका बढ़ जाती है ।हाल के विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्वेक्षण के अनुसार, विकासशील राष्ट्रों में लगभग 11.3 अरब लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं । लंबे समय तक बढ़े रहने वाले उच्च रक्तचाप के कारण होने वाली रेटिनोपैथी एक रेटिनल बीमारी है । विभिन्न बीमारियों का बायो-मार्कर होता है, जिसमें कार्डियोवास्कुलर जोखिम और लक्ष्य-अंग नुकसान शामिल हैं ।रेटिनल बीमारी के प्रारंभिक चरण में कोई दृश्यमान संकेत नहीं मिलते हैं ।मरीज़ की नियमित जांच के माध्यम से ही इसे रोका जा सकता है।

गौतम अडानी को अमेरिकी सरकार से मिला टॉनिक, अब रॉकेट बनेंगे ग्रुप के शेयर !

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण मुश्किल में फंसे दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के लिए गुड न्यूज है। अमेरिकी सरकार का इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन उन्हें 4,600 करोड़ रुपये का फंड देने जा रहा है। यह फंड श्रीलंका में एक प्रोजेक्ट के लिए है। अडानी ग्रुप श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट में डीप वॉटर कंटेनर टर्मिनल बना रहा है। इस डील के अडानी ग्रुप को बूस्ट मिल सकता है। इससे अडानी ग्रुप को लेकर निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा जो हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के कारण कम हो गया था। इस रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर अकाउंटिंग में धोखाधड़ी, स्टॉक की कीमतों के साथ छेड़छाड़ और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़ी गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था लेकिन इस कारण ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई है।

वेस्ट टर्मिनल कंटेनर में अडानी पोर्ट एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड की 51 फीसदी हिस्सेदारी है। यह कंपनी भारत की

सबसे बड़ी प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर है। यह पहला मौका है जब अमेरिका की सरकार अडानी ग्रुप के किसी प्रोजेक्ट को अपने किसी एजेंसी के मध्यम से फंड दे रही है। सुबह सवा दस बजे अडानी पोर्ट का शेयर 1.26 परसेंट तेजी के साथ 807.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कोलंबो पोर्ट हिंद महासागर में सबसे बड़ा और व्यस्त ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है। इससे अमेरिका को इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे को भी कम करने में मदद मिलेगी। चीन ने श्रीलंका की इकॉनमी में भारी निवेश किया है। इसमें कोलंबो और हंबनतोता पोर्ट और कोलंबो पोर्ट सिटी प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट- अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी ग्रुप के बारे में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें अडानी ग्रुप पर कई तरह के आरोप लगाए गए थे। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया है लेकिन इस कारण उसके शेयरों में भारी गिरावट आई है। ग्रुप के मार्केट कैप में 150 अरब डॉलर से ज्यादा गिरावट आई है। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी भारी कमी आई है और वजह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप 20 से बाहर हो गए हैं। एक समय अडानी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ 60.3 अरब डॉलर रह गई है जबकि इस साल उन्होंने 60.2 अरब डॉलर नेटवर्थ गंवाई है।

फिर सस्ता हुआ क्रूड ऑयल

पिछले साल मई से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूड ऑयल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज गिरावट देखी जा रही है। कल भी कच्चे तेल के दाम गिरे थे। आज अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 81.76 डॉलर प्रति बैरल के लेवल पर कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में 0.03 फीसदी गिर गए हैं। यह 77.35 डॉलर प्रति बैरल के रेट पर ट्रेड कर रहा है। इस बीच तेल कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं। हालांकि आज यानी बुधवार को भी पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों ने 7 नवंबर 2023 को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखी हैं। आखिरी बार पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव मई 2022 में हुआ था। कंपनियों ने अंतिम बार छह अप्रैल 2022 को पेट्रोल और डीजल के दाम में 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये और डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बनी रही। मायानगरी मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है।

दीया कुमारी ने पापड़ के हनुमान जी मदिर में स्थापित की राम-ज्योति

जयपुर के सभी घरों में अखंड राम-ज्योति प्रज्वलित करने का किया आह्वान

जयपुर। विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी व राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने प्रसिद्ध पापड़ के हनुमान जी मंदिर में बुधवार को अयोध्या से आई राम ज्योति स्थापित की। इस कार्यक्रम के तहत अयोध्या में राम लला दरबार से राम ज्योति, अयोध्या से लेकर देश के कोने कोने में पहुंचाई जा रही है। राजस्थान के 51 हजार मंदिरों में अखंड राम ज्योति राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह तक जलाई जाएगी। उसके लिए अयोध्या से राम ज्योति जयपुर रवाना हुई है।

कार्यक्रम में दीया कुमारी ने कहा कि मैं भगवान श्री राम की वंशज हूं और 500 वर्षों के लम्बे इंतज़ार के बाद भगवान श्री राम का भव्य मंदिर निर्माण जल्द ही पूर्ण होने वाला है। मेरे लिए यह परम सौभाग्य और गौरव की बात है कि मुझे अयोध्या से आयी राम ज्योति को पापड़ के हनुमान

जी मंदिर में स्थापित करने का मौका मिल रहा है। उन्होंने राम ज्योति दीपोत्सव तक अखंड रखने का भी संकल्प लिया।

दीया कुमारी ने भारी संख्या में उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे भी इस पावन राम ज्योति के दर्शन करें और राम-ज्योति को अपने घरों में दीपोत्सव तक अखंड रखने का संकल्प लें। दीया कुमारी ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह ज्योति जल्द ही देश के कोने-कोने में हर घर में पहुंचेगी और सभी परिवारों को भगवान राम के आदर्शों पर चलने को प्रेरित करती रहेगी।

इससे पहले दीया कुमारी ने वार्ड नं- 13 में जनसंपर्क कार्यक्रम में और मेरीगोल्ड बीएड कॉलेज के वार्षिक कार्यक्रम में भी शिरकत की। वे अम्बाबाडी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में मिनी बस एसोसिएशन की बैठक में भी सम्मिलित हुईं।

भारत ने क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग में चीन को पछाड़ा

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग- एशिया 2024 में भारतीय यूनिवर्सिटीज ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन को पछाड़ते हुए भारत की 148 यूनिवर्सिटी (करीब 18 प्रतिशत) ने रैंकिंग में जगह बनाई है, जो पिछले साल से 37 ज्यादा हैं। चीन के संस्थानों की संख्या इस बार 133 है। जापान की 96 यूनिवर्सिटी इस लिस्ट में शामिल हैं। एशिया के 25 देशों के 856 शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग की गई है। म्यांमार, कंबोडिया और नेपाल के शिक्षा संस्थान पहली बार लिस्ट में आए हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग- एशिया को देखें तो पहले नंबर पर चीन की पेकिंग यूनिवर्सिटी है। उसके बाद हॉन्गकॉन्ग की यूनिवर्सिटी है। तीसरे और चौथे नंबर पर सिंगापुर की यूनिवर्सिटी है। टॉप 20 में साउथ कोरिया, मलेशिया, जापान की यूनिवर्सिटीज ने भी जगह बनाई है।

आईआईटी दिल्ली की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है और 46वां स्थान हासिल किया है। आईआईटी मद्रास भी 2023 की तरह इस बार भी 53वीं रैंक पर है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस को 58वीं रैंक मिली है। आईआईटी खड़गपुर को 59वीं, आईआईटी कानपुर को 63वीं रैंक मिली है। दिल्ली यूनिवर्सिटी को 94वीं रैंक हासिल हुई है। टॉप 100 में भारत के सात संस्थान हैं, जिसमें से 5 आईआईटी हैं। पिछले साल भी ये सभी संस्थान टॉप 100 में थे। लेकिन खास बात यह है कि इस बार भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों का नंबर रैंकिंग में पिछले साल से कहीं ज्यादा है और यह अहम है। आईआईटी गुवाहाटी 111, आईआईटी रूड़की 116 और जेएनयू को 117वां स्थान मिला है।

इसके अलावा चंड़ीगढ़ यूनिवर्सिटी, वेल्लौर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, अन्ना यूनिवर्सिटी भी टॉप 200 में जगह बनाने में कामयाब हुई हैं। शिक्षा मंत्रालय की भी यही कोशिश है कि वर्ल्ड रैंकिंग में ज्यादा से ज्यादा भारतीय शिक्षा संस्थान शामिल हों। क्यूएस के मुताबिक भारत ने 'आउटबाउंड स्टूडेंट मोबिलिटी' (विदेश जाने वाले छात्र) में भी उपलब्धि हासिल की। अमेरिका में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। वहीं, भारत 15 वर्षों में पहली बार चीन से आगे निकल गया है। भारत की 21 यूनिवर्सिटी ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है जबकि 15 पिछले साल की तरह ही हैं। इस बार 37 नई एंट्री हुई हैं।

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी ने क्यू एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 143 रैंक हासिल की है। साउथ एशिया के टॉप 150 संस्थाओं में दिल्ली सरकार की इस यूनिवर्सिटी को जगह मिली है। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो महेश वर्मा ने बताया कि 2024 की क्यू एशिया रैंकिंग के लिए भारत से 148 संस्थान शामिल हुए थे, आईपी यूनिवर्सिटी को इन संस्थानों में 77वीं रैंक मिली है। उन्होंने कहा कि यह विशेष परफॉर्मेंस अकादमिक प्रतिष्ठा, रिसर्च, इंटरनैशनल रिसर्च नेटवर्क के बदौलत हो पाया है। आईपी का समर्पण उसे इंटरनैशनल एजुकेशनल स्टैंडर्ड पर खड़ा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नैक से मिले ++ एक्रिडिटेशन ने भी संस्था की अकादमिक प्रतिष्ठा को बढ़ाया है

क्यूएस रैंकिंग क्या है

क्यूएस (क्वैकक्वैरली सायमंड्स) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग पोर्टफोलियो 2004 में शुरू हुआ था। वर्ल्ड की टॉप यूनिवर्सिटी के प्रदर्शन के बारे में तुलनात्मक डेटा के आधार पर रैंकिंग तैयार की जाती है। इस रैंकिंग सिस्टम की विश्व में काफी ज्यादा अहमियत मानी जाती है और स्टूडेंट्स विदेशों में यूनिवर्सिटी का चयन करते समय क्यूएस रैंकिंग को भी ध्यान में रखते हैं।

ज्यादा से ज्यादा मतदान करवायें

आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा सत्संग आज

छिंदवाड़ा। श्री श्री रविशंकर द्वारा संस्थापित आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था छिंदवाड़ा के तत्वाधान में साधक परिवार के सभी सदस्यों को दिनांक 9 नवंबर 2023 दिन गुरुवार धनतेरस की पूर्व संध्या पर विशेष सत्संग तथा दिवाली मिलन कार्यक्रम में श्री श्री साधना केंद्र विवेकानंद कॉलोनी सांई मंदिर छिंदवाड़ा में आप सभी को आमंत्रित किया गया हैं! सभी साधकों से अपील है कि यह समय बहुत ख़ास है जब प्रादेशिक चुनाव बहुत ही नज़दीक हैं आइये हम सब मिलकर ये संकल्प लें की हम अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे तथा अपना हित ना सोचते हुए राष्ट्र हित को ध्यान में रखते हुए अपना वोट अवश्य दें। सत्संग के पश्चात प्रशाद का आयोजन है। आप सभी अपने सहभागियों सहित सत्संग में सम्मिलित होकर आपसी प्रेम तथा आत्मीयता का संदेश फैलायें।

छठ महापर्व को लेकर बनी रूपरेखा, छोटा तालाब पर होगा विशेष आयोजन

बैठक में महापर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने की बनी रणनीति

छिंदवाड़ा। उत्तर भारतीय एकता मंच द्वारा लोक आस्था का महापर्व छठ के आयोजन को लेकर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-चार के पास स्थित होटल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महापर्व पर छोटा तालाब में विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा बनाई गई। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष छठ महापर्व के तीसरे दिन 19 नवंबर की शाम व्रती और घर-परिवार के सभी लोग नदी, तालाब आदि में जाकर अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे। बता दें कि इस दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। वहीं चतुर्थ दिवस यानी 20 नवंबर की सुबह परंपरा के अनुसार उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 19 नवंबर की शाम छोटा तालाब में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 20 नवंबर की सुबह परिचय कार्यक्रम, सम्मान कार्यक्रम होगा। छोटा तालाब पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था भी बनाई जा रही है। बैठक में मंच अध्यक्ष अजय सिंहा, सचिव उमेश बरनवाल, राकेश सिंह, जितेन्द्र शाव, मुकेश सिंह, संजय मिश्रा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

36 घंटे का रखा जाता है निर्जला व्रत

उल्लेखनीय है कि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में छठ महापर्व बड़े पैमाने पर मनाया जाता है।

जगदीश जैन, आनंद वर्मा भाजपा में शामिल हुए

छिंदवाड़ा। चौरई नगर में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का आगमन हुआ उन्होंने भाजपा प्रत्याशी लखन कुमार वर्मा के लिऐ प्रचार किया जिसमें कांग्रेस के गद्दावर नेता व पूर्व पार्षद जगदीश जैन और कांग्रेस के क्षेत्रीय अध्यक्ष आनंद वर्मा ने भाजपा का दामन थामा इस अवसर पर भाजपा नेता संदीप रघुवंशी भी उपस्थित थे।

बुधवार को 146 डाक मत पत्रों पर हुआ मतदान

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 123 के कंट्रोल रूम शासकीय मॉडल शाला अमरवाड़ा में शासकीय मतदान दल में कार्यरत कर्मचारियों अधिकारियों के द्वारा डाक मत पत्र का उपयोग कर गुप्त मतदान किया गया अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर एम कारण धुर्वे ने बताया कि आज 146 मतदाताओं के द्वारा मतपत्र का उपयोग किया गया जिसमें अमरवाड़ा विधानसभा सहित जिले की समस्त विधानसभाओं के लिए 142 महिला एवं पुरुष मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया वहीं बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के चार कर्मचारी मैं भी मतदान में हिस्सा लेकर डाक मत पत्र का उपयोग किया, इसी प्रकार मतदान केदो में पोस्ट मत पत्र द्वारा मतदान करने वाले 125 ई डीसी मत पत्रों का भी वितरण किया गया द्य यह प्रक्रिया निरंतर तीन दिनों तक जारी रहेगी।

बाबूलाल पाटोदी ने मृत्युपूर्व ली मुनि दीक्षा

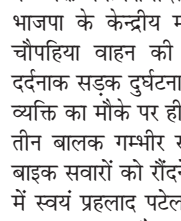

छिंदवाड़ा। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी पाटोदी परिवार के वयोवृद्ध बाबूलाल पाटौदी का मंगलवार को निधन हो गया। निधन के पूर्व उन्होंने मुनि दीक्षा ग्रहण कर 108 मृत्युंजय सागर नाम धारण किया। 108 मृत्युंजय सागर(बाबूलाल पाटोदी), सतीश पाटोदी, राजेन्द्र पाटोदी, महेंद्र पाटोदी के पिता और आशीष पाटोदी, विनीत, संकेत, शुभम, प्रतीक, प्रणय, ऋषभ के दादा और बॉबी, ऋषि, डॉ निश्चल के नाना थे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा भाजपा में बूथ कार्यकर्ता ही प्रत्याशी, वही चुनाव लडता है और जीतता है: वी.डी. शर्मा

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश का विकास भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। केंद्र में जब तक कांग्रेस की सरकार थी, विकास में अड़ंगा लगाती रहती थी, छिंदवाड़ा के कमलनाथ भी केंद्र में वर्षों मंत्री रहे, लेकिन छिंदवाड़ा और मध्यप्रदेश के विकास में जिस तरह का सहयोग देना चाहिए था, कभी नहीं दिया। अब छिंदवाड़ा की जनता कमलनाथ से ही पूछ रही है कि विकास क्यों नहीं किया। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद डबल इंजन की सरकार ने मध्यप्रदेश के विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रभु श्री राम के अस्तित्व को नकारने वाली कांग्रेस पार्टी अब कमलनाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में भगवान राम के होर्डिंग उतारने में लगी हुई है। मध्य प्रदेश की जनता भगवान श्री राम के होर्डिंग को उतारने वाली कांग्रेस को कभी सत्ता नहीं सौंपेगी, ऐसे लोगों को सत्ता सौंपी भी नहीं जा सकती। कांग्रेस के यह कृत्य उसके बाबर प्रेम को ही प्रदर्शित करते हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने छिंदवाड़ा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बुधवार को छिंदवाडा, कटंगी, लांजी में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बूथ के कार्यकताओं को बूथ विजयी का संकल्प दिलाया। उन्होने जनसम्पर्क भी किया। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने छिंदवाडा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग छिंदवाडा को अपना गढ़ मानते है उन्हें मैं कहना चाहता हूँ कि अगर छिंदवाडा किसी का गढ़ है तो वह भाजपा सरकार की योजनाओं का गढ़ है। हर बूथ और हर घर तक भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में गरीब कल्याण की योजनायें पहुँच रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। भारतीय जनता पार्टी एक-एक बूथ पर चुनाव लड़ रही है। मैं इस बार का जो उत्साह और उमंग कार्यकर्ताओं व जनता जनार्दन में देख रहा हूँ, मुझे विश्वास है कि जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत से मध्यप्रदेश और छिंदवाड़ा मे इस बार कमलनाथ क्लीन बोल्ड होंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कार्यकर्ताओं को छिंदवाडा की सातों विधानसभा सीट जीतने का संकल्प दिलाया। कार्यकर्ताओं का उत्साह, उमंग और प्रोत्साहन बता रहा बूथ की मजबूत पकड़ को विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मैं अभी प्रवास पर बूथ पर जाकर कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहा हूँ। कार्यकर्ताओं में जो उमंग, उत्साह और प्रोत्साहन दिख रहा है, वह अद्भुत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने बूथ जीतने का जो मन्त्र दिया है, उस मन्त्र को याद दिलाने के लिए आप के बीच आया हूँ, कि प्रत्येक बूथ पर हमें माइक्रो प्लानिग से चुनाव लड़ना है। अगर हमने बूथ पर चुनाव जीत लिया तो विधानसभा के चुनाव में हमारी विराट विजयी होगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रत्याशी कमल का फूल है। हमें कमल के फूल को हर बूथ तक ले जाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जब आप घर-घर सम्पर्क करें तो एक हाथ में हमारी सरकारों द्वारा किये विकास के काम और दुसरे हाथ में जन कल्याण की योजनाओं हो।

सबके सहयोग से मिलेगा जीत का रास्ता: स्मृति ईरानी

चौरई। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी बुधवार को चौरई पहुंची यहां उन्होंने भाजपा प्रत्याशी लखन वर्मा के पक्ष में गुड़ मंडी में आयोजित सभा को संबोधित किया केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सबके सहयोग से जीत का रास्ता निकलेगा कांग्रेस के पास बताने के लिए कुछ नही है गरीब की बेटी को पूजने वाले शिवराज सिंह के साथ आप सभी चलें और जनता को भी बताएं पूरे प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं ने अलग माहौल बनाया है किसानों को दी जाने वाली राशि केंद्र और राज्य दोनो सरकारें दे रही है शिवराज सिंह ने लाड़ली बहना योजना से महिलाओं को सशक्त बनाया है लाड़ली लक्ष्मी योजना ने गरीब परिवारों को हौंसला दिया है लाडलियों को शिवराज सिंह पूजते हैं सरकार की दो दर्जन से अधिक जनहितैषी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को सीधे तौर पर मिल रहा है इन योजनाओं के साथ केंद्र की योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश अग्रणी है पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का गौरव पूरी दुनिया में बढ़ा है विपक्षी राम मंदिर पर सवाल उठाते थे रामसेतु को काल्पनिक बताते थे राम मंदिर बनाने की तारीख पूछते थे अब राम मंदिर की तारीख भी हम बता रहे हैं ये सरकार मैडम के रिमोट से नही चलती ये भाजपा है यहां कार्यकर्ता को मौका मिलता है भाजपा में कोई भी गांधी परिवार की तरह विरासत लेकर नही आया है केंद्रीय मंत्री ने भाजपा को जीतने की अपील जनता से की है इससे पूर्व प्रत्याशी लखन वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं किसान का बेटा हूं ये भाजपा में ही संभव है कि छोटे परिवार के बेटे को टिकट दिया गया है आप सब सहयोग करें उन्होंने पूर्व की गलतियों के लिए जनता और कार्यकर्ताओं से क्षमा भी मांगी इस दौरान पूर्व मंत्री चंद्रभान सिंह मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र रघुवंशी कमलेश वर्मा बब्बी चौरे दानसिंह पटेल सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय गोंडवाना ने परासिया भाजपा को दिया समर्थन

परासिया। विधानसभा क्षेत्र परासिया में आदिवासी वोटो की संख्या सबसे अधिक है भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव में आदिवासियों के वोटो में सेधं लगाई है। आज अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी के कुछ पदाधिकारी सहित दो जनपद सदस्य एवं कुछ आदिवासी सरपंचों ने परासिया विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को समर्थन किया है। पार्टी के पदाधिकारी बृजमोहन विश्वकर्मा रामलाल ककोड़िया तथा परासिया जनपद क्षेत्र क्रमांक एक की जनपद सदस्य कविता युनाती एवं क्षेत्र क्रमांक 6 की जनपद सदस्य विनीता सरेआम के अलावा कई आदिवासी सरपंच भाजपा को समर्थन देने में शामिल रहे इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी ने पत्रकार वार्ता में बताया है कि अखिल गोंडवाना पार्टी से टिकट की बात कह कर संतोषी डेहरिया जो चुनाव लड़ रही है वे पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी नहीं है। उन्हें पार्टी ने कोई टिकट नहीं दिया है पत्रकार वार्ता में भाजपा के अनुज पाठकर ने बताया कि संतोषी डहेरिया निर्दली चुनाव लड़ रही है उनके चुनाव लड़ने से भाजपा प्रत्याशी ज्योति डहेरिया के चुनाव में कोई फर्क नहीं पड़ेगा एवं भारतीय जनता पार्टी विधानसभा संयोजक अनुज पाठकर ने कांग्रेस पर यह आरोप लगाया है कि विगत 10 वर्षों में आपने क्षेत्र के विकास लिए कोई भी काम न करके क्षेत्र को पिछड़ा रखने का कार्य किये है वह दो बार से लगातार सोहन वाल्मीकि क्षेत्र में विधायक है और पिछली बार 15 माह के लिए प्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन समय रहते भी परासिया विधानसभा क्षेत्र में ना तो कोई बड़े विकास हुए न ही कार्य हुए एवं रोजगार और धंधों को लेकर कोई प्रयास नहीं किया गया।

मतदान केन्द्रों में दीपोत्सव

हर्रई। विकासखंड विधानसभा अमरवाड़ा क्षेत्र क्रमांक 123 में मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत स्वीप गतिविधि कैलेंडर अनुसार विभिन्न मतदान केन्द्रों में दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।।

नाबालिग से दुराचार के आरोपी को आजीवन कारावास एवं अर्थदंड

छिंदवाड़ा। न्यायालय श्रीमती कुमुदिनी पटेल विशेष न्यायाधीश (पाक?सो एक?ट) छि?दवाडा द्वारा थाना कुंडीपुरा की ओर से प्रस?तुत नाबालिग पीडिता के साथ दुराचार करने के प्रकरण में आरोपी को आजीवन कारावास एवं 2000/- रू अर्थदंड से दंण्डित किया गया। घटना का संक्षि?त विवरण इस प्रकार है- प्रकरण में नाबालिक पीडिता जिसकी उम्र करीब 13 वर्ष है। घटना दिनांक 21.02.23 को दोपहर करीब 2 बजे नाबालिग पीडिता डब?बा लेकर तालाब की ओर शौच करने गई थी उसी दौरान आरोपी मुकेश वंदेवार आ गया और अचानक नाबालिग पीडिता को बुरी नियत से पकडने लगा जिससे वह चिल?लाई पर वहां आस-पास कोई नहीं था। फिर मुकेश ने पीडिता को पकडकर जबरदस?ती उसके साथ दुराचार किया। घर जाकर पीडिता ने मम?मी, पापा, नाना सभी को घटना के संबंध में बताई एवं थाना कुंडीपुरा मे रिपोर्ट दर्ज कराई। नाबालिग पीडिता की शिकायत पर आरोपी के विरूद्ध थाना कुंडीपुरा में पाक?सो अधिनियम की धारा 3,4(2), भादवि की धारा 376, 376(2)(द्ध) 376(3) एवं एस.सी./एस.टी. एक?ट की धारा 3(1)(2)(द्वद्ध), 3(2)(1) में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय विशेष न?यायालय (पाक?सो एक?ट) छि?दवाडा में प्रस?तुत किया गया। विचारण के दौरान आई साक्ष?य तथा अभियोजन पक्ष तथा बचाव पक्ष के तर्को को सुनने के उपरांत माननीय न?यायालय द्वारा आरोपी को पाक?सो अधिनियम की धारा 3, 4(2), भादवि की धारा 376(3) एवं एस.सी./एस.टी. एक?ट की धारा 3(2)(व्ही) में दोषी पाते हुये आजीवन कारावास एवं 2000/- रूपये अर्थदण?ड से दंडित किया गया। साथ ही माननीय न्यायालय द्वारा पीडित प्रतिकर क्षतिपूर्ति के रूप में पीडिता को 5 लाख रूपये की मुआवजा राशि प्रदाय किये जाने का भी आदेश विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाडा को पारित किया गया।

सपा की रैली में उमड़ा जन सैलाब

क्षेत्र वासियों ने स्वागत के साथ दिया समर्थन

चौरई। समाजवादी पार्टी के लोकप्रिय उम्मीदवार लोधी विपिन वर्मा ने जन समर्थन और आशीर्वाद मांगते हुए रैली का आयोजन किया जिसमें बिछुआसे ग्राम खमरा गुमगॉव खापा बिहारी,गोहरगांव चाँद ,मोहगांव बाड़ीवाड़ा, कौआखेड़ा बेलगॉव से होते हुए स्थानीय में रोड चौरई और बाजार में जनसंपर्क किया जिससे क्षेत्र और गांव में उनका भव्य स्वागत करते हुए जनता ने उन्हें आशीर्वाद दिया उनके साथ समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष अरविंद यादव पत्रकार ब्लॉक अध्यक्ष विजय यादव सचिन यादव ने सपा के पक्ष में वोट मांगे चौरई चौराहे क्षेत्र में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया कि कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों से अधिक ऊर्जावान शिक्षित योग कर्मठ और जुझारू युवा नेता समाजवादी पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारा है और समाजवादी पार्टी सिर्फ राजनीतिक दल नहीं बल्कि एक विचारधारा है जो पिछड़े दलित शोषित वर्ग के अधिकारों से वंचित लोगों की आवाज है उन्होंने कहा कि यह चुनाव चौरई क्षेत्र के चौहमुखी विकास बेरोजगार युवाओं के भाग्य और डूब क्षेत्र के किसान मजदूर के व्यवस्थापन का फैसला करेगा।

13 को मनेगा तीर्थंकर महावीर स्वामी का 2550 निर्वाण महोत्सव

श्री आदिनाथ जिनालय में मुमुक्षु मंडल एवं जैन युवा फेडरेशन मनावेगा तीन दिवसीय उत्सव

छिंदवाड़ा - इस वर्ष कार्तिक कृष्ण अमावस्या सोमवार 13 नवंबर के शुभ दिन धर्म नगरी छिंदवाड़ा सहित सम्पूर्ण विश्व की सकल जैन समाज सर्वोदय अहिंसा के प्रणेता एवं जियो और जीने दो के उदघोषक वर्तमान शासन 1008 तीर्थंकर महावीर भगवान का 2550 निर्वाण महोत्सव एवं उनके मुख्य गणधर गौतम स्वामी का केवल महोत्सव विविध अनुष्ठानों के साथ भक्ति भाव पूर्वक मनावेगा।सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक दीपक राज जैन ने बताया की मंगल महोत्सव की खुशी में श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन द्वारा नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जिनालय में तीन दिवसीय मंगल महोत्सव विविध धार्मिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठानों के साथ मानवेगा।जिसका शुभारंभ 11 नवंबर कार्तिक कृष्ण तेरस शनिवार के शुभ दिन प्रातः 7 बजे श्री जिनबिंब प्रक्षालन से होगा पश्चात ध्वजारोहण, मंगल कलश स्थापना, श्री महावीर पंचकल्याणक विधान का शुभारंभ होगा। द्वितीय दिवस कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी रविवार 12 नवंबर को प्रातः 7 बजे से श्री जिनबिंब प्रक्षालन, श्री जिनेन्द्र पूजन एवं श्री महावीर पंचकल्याण विधान होगा।तृतीय दिवस कार्तिक कृष्ण अमावस्या सोमवार 13 नवंबर को श्री वीर प्रभु का 2550 निर्वाण महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 7 बजे श्री जिनबिंब प्रक्षालन से होगा पश्चात 07.15 बजे से श्री जिनेन्द्र पूजन, तीर्थंकर महावीर पूजन विधान, गौतम स्वामी पूजन के साथ निर्वाण काण्ड पढ़कर मोक्ष कल्याणक का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया जावेगा। 2550 वें निर्वाण महोत्सव की खुशी में मंडल एवं फेडरेशन के जिनशासन सेवक भजन मंडली के मंगलगान के साथ नगर के समस्त दिगम्बर जिनालयों की सामूहिक वन्दना कर निर्वाण लाडू समर्पित कर मोक्ष कल्याणक की खुशियां मनावेंगें। जिसमे सकल जैन समाज सादर आमंत्रित है।

मजदूरों को मतदान के लिये प्रेरित कर नैतिक मतदान की शपथ दिलाई गई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में स्वीप नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत आज नगर परिषद चाँद में संगठित/असंगठित श्रेणी के मजदूरों राजमिस्त्री (ईंट-गारा) और लेबर समूह जो नियमित मजदूरी के कार्य करते है व वर्तमान में छत ढलाई के कार्य में संलग्न हैं, के मध्य जाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया और मतदान के लिये प्रेरित करते हुये विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतदान तिथि 17 नवंबर को मतदान करने का आग्रह किया गया। साथ ही ठेकेदार को मतदान दिवस पर अवकाश करने के निर्देश दिये गये और उपस्थित सभी मजदूर, ठेकेदार, घर वालों को नैतिक मतदान की शपथ भी दिलाई गई ।

घर पहुंच मतदान में पी. डब्लू .डी एवं 80 प्लस, मतदाताओं ने किया अपने निवास पर ही मतदान

अमरवाड़ा। विधानसभा क्षेत्र अमरवाड़ा क्रमांक 123 की निर्वाचन अधिकारी एसडीएम हेमकरण ध्रुव ने बताया कि 7 सेक्टर में विभाजित 49 कर्मचारियों के द्वारा बी एल ए एवं बी एल ओ के सहयोग एवं उपस्थिति में दिव्यांग पीडी मतदाता एवं 80 प्लस तथा शतायु से ऊपर वाले मतदाताओं को चिन्हित कर उनके मतदान केंद्र के अनुसार मतदाताओं के निवास पर पहुंच कर मतदान दालों के द्वारा मतदान कराया जा रहा है बुजुर्ग मतदाता उत्सुकता पूर्वक मतदान कर रहे हैं अमरवाड़ा क्षेत्र में 221 मतदाता 101 मतदान केदो में निवास रत हैं मंगलवार को चिंतित 69 मतदाताओं में से 67 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया इसमें 101 एवं 104 तथा 96 वर्षीय मतदाता ने डाक मत पत्र का उपयोग किया द्य बुधवार को चिन्हित 82 मतदाताओं में से 72 मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया 10 मतदाताओं में चार मतदाता बीमार है दो मतदाताओं ने मत देने से इनकार कर दिया तथा दो मतदाता मृत हो गए द्य शेष 70 मतदाताओं के द्वारा गुरुवार शुक्रवार को मतदान करवाया जाएगा

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने लालबाग चौक पर आम सभा को संबोधित किया जहां पर आसपास की क्षेत्र की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कांग्रेस ने चौरई के छह कार्यकर्ताओं को किया निष्कासित

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस की अनुशासन समिति ने अनुशासन तोड़ने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ निष्कासन की कार्यवाही की है। चौरई, सिंगोड़ी एवं बिछुआ के छह कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कठोर कार्यवाही करते हुये उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित किया है।चौरई क्षेत्र से सादिक अलीमीर एवं श्यामलाल नामदेव, सिंगोड़ी के टोला से राजेन्द्र रघुवंशी, गौतम रघुवंशी एवं सुदर्शन रघुवंशी एवं पोनिया से राकेश पटेल के पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने की सूचनायें निरंतर कांग्रेस अनुशासन समिति को प्राप्त हो रही थी जिसके उपरांत समस्त कार्यकर्ताओं को अपने आचरण में सुधार लाने हेतु निर्देशित किया गया था किन्तु उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधियों पर विराम नहीं लगाया और वे निरंतर कांग्रेस की रीति-नीति के खिलाफ जाकर कार्य करते रहे।जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार आज कांग्रेस की अनुशासन समिति के द्वारा सादिक, श्यामलाल, राजेन्द्र, गौतम, सुदर्शन एवं राकेश को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाये जाने पर 6 वर्षों के लिये पार्टी से निष्कासित किया गया है।

भाजपा के केन्द्रीय मंत्री का अमानवीय चेहरा सामने आया: कमलेश शाह

सड़क पर बच्चों को तड़पता छोड़कर चले गये

छिन्दवाड़ा। समाज के हर वर्ग की चिन्ता करने का ढोंग करने वाली भाजपा पार्टी के नेता की संवेदनायें मर चुकी है। आमजन के दुख-दर्द से उनका कोई वास्ता नहीं है भले ही उन्हीं के वाहन से किसी की दर्दनाक मौत क्यों ना हुई हो। मासूम बच्चे घायल है और अस्पताल में तड़प रहे हैं, किन्तु सत्ता के लोभी भाजपा नेता का दिल आज भी नहीं पसीचा। उक्त उदगार जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह ने व्यक्त किये।विदित हो कि गत दिवस भाजपा के केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के चौपहिया वाहन की टक्कर से सिंगोड़ी में दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटित हुई जिसमें एक व्यक्ति का मौके पर ही निधन हो गया जबकि तीन बालक गम्भीर रूप से घायल हुये हैं। बाइक सवारों को रौंदने वाले चौपिहया वाहन में स्वयं प्रहलाद पटेल सवार थे। बच्चों को तड़पता हुआ और शोकाकुल परिवार को बिलखता हुआ छोड़कर मंत्री एक अन्य वाहन में सवार होकर घटना स्थल से रवाना हो गये ना ही बच्चों के समूचित उपचार की चिंता की ना ही उन्हें अस्पताल पहुंचाने हेतु व्यवस्था बनाई। गम्भीर रूप से घायल बच्चों को प्राथमिक उपचार हेतु जब जिला अस्पताल पहुंचाया गया तब जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, युवक कांग्रेस व एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण ने बच्चों के इलाज हेतु व्यवस्था बनाई। सत्ता के नशे में चूर प्रहलाद पटेल बच्चों का हाल जानने अस्पताल तक नहीं पहुंचे। राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल का सेवा भाव केवल मंच और भाषण तक सीमित है।

नागपुर में चल रहा ईलाज

श्री शाह ने अंत में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के निर्देश पर घायल बच्चों का नागपुर के श्योरटेक अस्पताल में उपचार जारी साथ ही नेताद्वय बच्चों की स्वास्थ्य और आवश्यकताओं पर निरंतर निगाह बनाये हुये हैं।

नागपुर नाका पर नुक्कड़ सभा का आयोजन

छिन्दवाड़ा– पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ व सांसद श्री नकुलनाथ के जनहितैषी कार्यों के साथ ही श्री कमलनाथ जी के 101 वचनों से आमजन को नुक्कड सभा का आयोजन कर अवगत कराया गया। नगर के नागपुर नाका पर आज एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिसमें कांग्रेस की सरकार बनते ही आमजन को दी जाने वाली सौगातों में नारी सम्मान योजना में प्रतिमाह 15 सौ रुपये और 500 रुपये में रसोई गैस सिलेण्डर के साथ ही सौ रुपये में सौ यूनिट बिजली दो

जहर का सेवन किया युवक की हुई मौत

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम कतीया थाना निवासी 28 वर्षीय कुमारी रंजीता पिता साहब लाल यादव द्वारा 15 दिनों पूर्व जहर का सेवन कर लेने से गंभीर रूप से पीड़ित का इलाज के दौरान मृत्यु हो गई पुलिस ने अस्पताल तहरीर पर मर्ग कायम कर जांच विवेचना में लिया

मेड में पत्थर बिछाने को लेकर दो सगे भाइयों में हुआ विवाद बना काउंटर मामला

अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम हिरी जागीर के रहने वाले दो सगे भाइयों में चल रही पुरानी रंजिश मद में पत्थर बिछाने को लेकर हुए विवाद में सिंद राज पिता नरोत्तम सूर्यवंश उम्र 51 वर्ष और रामभरोस पिता नरोत्तम के बीच पुरानी रंजिश को लेकर दोनों सगे भाइयों में एक दूसरे को गंदी-गंदी गालियां देकर दोनों परिवार के बीच में लात घुसे चले तथा एक दूसरे को जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस द्वारा काउंटर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

ग्रामीणों ने किया चुनाव का बहिष्कार, जनपद सीईओ से लेकर चुनाव आयोग को किया शिकायत

शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

परासिया। जुन्नारदेव गुढ़ी /अंबाडा ग्राम पंचायत क्षेत्र पालाचौरई मैं बड़े पैमाने पर चल रहा है भ्रष्टाचार का खेल मात्र स्वयं के कमाने की लालच में शासकीय राशियों का दोहन जमकर चल रहा है निर्माण कार्य से लेकर कचरा सफाई के नाम पर अभी तक लाखों रुपए फूक दिए जब मन में हो जाए राशियों का आहरण कर लेते हैं इस बात के लिए पंचों से न राय सलाह लेते हैं और ना कोई जानकारी देते हैं इस बात से पंचायत के 15 पंच बेहद दुखी है और जनपद जिला पंचायत सीईओ से लेकर जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत नियमित कर रहे हैं किंतु आज दिनांक तक किसी तरह से जांच नहीं हुई इस बात से सभी पंच अब इस्तीफा देने का मन बना रहे हैं सनद रहे की पंचायत क्षेत्र में शासकीय राशियों से होली खेलने महेज आम बात बनकर रह गई है जनता जनार्दन के मतों से यह भले निर्वाचित होकर आए हो किंतु उनसे इन्हें किसी भी तरह से कोई लेना-देना नहीं है मात्र अपने सुख के लिए अवैध तरीके से आय अर्जित करने में लग जाते हैं पूर्व समय में यही ग्राम पंचायत पालाचौरई मैं किया गया है।

निर्माण कार्य कचरा सफाई में लाखों रुपए बर्बाद

पंचायत में नई कार्यकारिणी गठन हुए भले ही एक वर्ष का ही समय व्यतीत हुआ है किंतु इसी में 25 30 लाख की राशि का आहरण हो गया है जिसमें आधा रुपया तो निर्माण कार्य से लेकर कचरा सफाई के नाम पर फूंक दिये इसमें निर्माण कर की बात करें तो वो बेहद घटिया दर्जे की रहे हैं इसमें सरपंच सचिव से लेकर उप यंत्री और एसडीओ चांदी काट चुके वही कचरा सफाई की बात करें तो इसमें नियम को दूर ही रखा गया है ना टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई है और ना निविदा ही बुलाई गई मनमर्जी से यह कार्य चल भले 5 से 10 ट्रिप कचरा साफ हुआ किंतु 50 से 60 ट्रिप का बिल निकल गया वहीं आय व्यय का ब्यौरा ही नहीं रख रहे हैं इस पंचायत के लगभग 15 पंचो का मानना है कि भले अभी तक 25 30 लख रुपए की राशि आधारित की जा चुकी है किंतु पंचायत में जब भी बैठक रखी गई इसमें आय और व्यय का ब्यौरा ना रख रहे हैं और ना पंचों को कोई जानकारी दे रहे हैं प्रस्ताव के मनमर्जी से राशियों आहरण का खेल चल रहा है पंचायत पोर्टल (दर्पण) जहां से जानकारी लग सकती है वहां पर धुंधले बिल लगाएं जा रहे हैं ताकि कोई देख ही ना सके इसी में पांचवें वित्त की राशि भी मन माने ढंग से आहरण कर सभी अपना जेब गर्म कर रहे है। इस पंचायत को प्रभावशाली माने या उच्च अधिकारियों से सेटिंग पंचायत क्षेत्र में चल रही सभी धांधली की शिकायत पेसा एक्ट समिति से ले लगभग 15 पंचों ने सीईओ से लेकर कलेक्टर तक लिखित शिकायत की किंतु परिणाम शून्य आने के कारण पंच देंगे इस्तीफा पंचायत पालाचौरई के सरपंच सचिव द्वारा किया गया।

बाजार में लक्ष्मीजी की मूर्तियां सज गई हैं...।

लाल परेड मैदान में आज कर्मचारियों और पुलिस कर्मचारियों ने लाइन लगाकर मतदान किया।

पिता को जीत दिलाने बेटे कर रहे दिन रात एक, दिग्गज नेताओं के पुत्र संभाल रहे क्षेत्र

भोपाल। पिता को जीत दिलाने के लिए उनके बेटे विधानसभा चुनाव में दिन रात एक कर रहे हैं। प्रदेश में ऐसी कई विधानसभा क्षेत्र हैं जहां पर भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों के पुत्र अपने पिता के चुनाव क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं और पिता के जीत के लिए पूरी मेहनत और ताकत के साथ जुटे हुए हैं। इनमें प्रदेश के दिग्गज नेताओं के भी पुत्र शामिल हैं। भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही दल में अपने पिता की साख बचाने के लिए बेटों ने क्षेत्र में प्रचार की कमान संभाल रखी है।

बुधनी- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान यहां से उम्मीदवार हैं। वे दिन भर प्रदेश भर में चुनावी दौरे कर रहे हैं। उनके बडे बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने उनके क्षेत्र में प्रचार की जिम्मेदारी संभाल रखी है। वे अपने पिता की जीत के लिए दिन रात एक किए हुए हैं।

छिंदवाड़ा- प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र के लोकसभा सदस्य उनके बेटे नकुल नाथ हैं, कमलनाथ प्रदेश भर में दौरे कर रहे हैं, ऐसे में नकुलनाथ ने न सिर्फ छिंदवाड़ा बल्कि अपने लोकसभा क्षेत्र की हर सीट पर प्रचार का जिम्मा उठाया है।

दिमनी- केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर इस सीट से भाजपा उम्मीदवार हैं। वे भी दिन भर प्रदेश की दूसरी विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी दौरे कर भाजपा की सरकार बनवाने के लिए जुटे हुए हैं। ऐसे में उनके चुनाव क्षेत्र की कमान उनके बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह ने संभाल रखी है।

इंदौर- 1 - यहां से भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय उम्मीदवार हैं। उनके बेटे आकाश विजयवर्गीय इंदौर तीन से विधायक हैं, वे इस बार चुनाव नहीं लड़ रहें। वे अपने पिता के क्षेत्र इंदौर विधान सभा 1 के साथ ही इंदौर तीन सीट पर भाजपा को विजय दिलाने के लिए सक्रिय हैं।

रेहली- भाजपा के सबसे सीनियर विधायक गोपाल भार्गव सागर जिले की इस सीट से उम्मीदवार हैं। वे भी बुंदेलखंड सहित अन्य क्षेत्रों में अपनी पार्टी के प्रचार-प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में उनके बेटे अभिषेक भार्गव रेहली में सक्रिय हैं और अपने पिता के चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं।

दतिया- नरोत्तम मिश्रा के बेटे सुकर्ण मिश्रा यहां पर सक्रिय है। मिश्रा को भी प्रदेश के कई क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में जाना पड़ रहा है। ऐसे में उनके क्षेत्र में उनके चुनाव प्रचार का जिम्मा सुकर्ण मिश्रा ने अपने हाथों में ले रखा है।

खुरई- यहां से भूपेंद्र सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। शिवराज सरकार के मंत्री भूपेंद्र सिंह अपने क्षेत्र में ही ज्यादा वक्त दे रहे हैं, लेकिन उनके बेटे अभिराज सिंह भी पूरे क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपने पिता को विधानसभा तक पहुंचाने के लिए सक्रिय हैं।

सुरखी- यहां से गोविंद राजपूत विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। उनके बेटे आकाश राजपूत भी उनके साथ पूरे क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे भी अपने पिता के लिए चुनाव प्रचार में दिन रात एक कर रहे हैं।

सोनकच्छ- पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के बेटे पवन सिंह वर्मा भी इस सीट पर सक्रिय हैं। पिता-पुत्र मिलकर दोनों ही इस सीट पर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। दोनों की अलग-अलग गांवों और कस्बों में जाकर कांग्रेस के लिए वोट मांग रहे हैं।

गोटेगांव- विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एनपी प्रजापति इस क्षेत्र से उम्मीदवार हैं। उनके बेटे नीर प्रजापति उनके साथ चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। नीर भी अपने पिता के लिए वोट मांगने के लिए पूरे क्षेत्र में जनसंपर्क कर रहे हैं।

नया स्थान पुरानी पहचान की तर्ज पर जुड़ रहे हैं लोग

कक्काजू को मिल रहा है भारी समर्थन

विजय शर्मा

शिवपुरी। शिवपुरी विधानसभा से इस बार दोनो बीजेपी और कांग्रेस के प्रत्याशी स्थानीय तौर पर नए चेहरे हैं। अगर राजनीति पृष्ठ भूमि की बात की जाए तो जहां देवेंद्र जैन कोलारस और के पी सिंह कक्का जु पिछोर से विधायक हैं। जहां कक्का जु पिछले 3 दशक से विधायक हैं साथ ही वह मंत्री भी रहे है, जिससे उनका पिछोर की जनता पर खासा प्रभाव है। इस बार उन्हें पार्टी ने शिवपुरी से अपना प्रत्याशी बनाया है। अजेय प्रत्याशी कक्का जू को चुनौती है, लेकिन कक्का जू इसे चुनौती नहीं मानते क्यों कि

उनके द्वारा पिछोर में किए विकास कार्य हैं। उसका असर शिवपुरी की जनता पर भी दिख रहा है। इसलिए उन्हें यहां पर भारी समर्थन मिल रहा है। यही समर्थन उनकी जीत का रास्ता आसान बना रही है। देवेंद्र जैन बीजेपी से स्थानीय प्रत्याशी हैं उनको शहर की जनता में अच्छा समर्थन मिल रहा है। लेकिन यहां पर सामाजिक ध्रुवीकरण के चलते वोट बटने की संभावना अधिक है। वहीं स्थानीय मुद्दे भी यहां पर जनता उठा रही है। बीजेपी की नगर पालिक के बावजूद स्वच्छता को लेकर जनता में नाराजगी बनी हुई है। यहां पर राम मंदिर और हिंदू मुस्लिम का मुद्दा मुद्दा नहीं रहा। यहां पर विगत कई वर्षों से अधिकतर बीजेपी का जनप्रतिनिधि रहा है लेकिन स्थानीय मुद्दों को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई है। स्थानीय मुद्दे दोनों ही राजनेतिक दलों के प्रत्यासियों के लिए महत्वपूर्ण है। जो भी राजनेतिक दल स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता को संतुष्ट कर देगा उसकी जीत सुनिश्चित है।

रोजगार प्रमुख मुद्दा : खदान और मिल बंद होने से हजारों बेरोजगार

यह विधान सभा सिंधिया घराने का गढ़ रहा है। यहां पर आज भी सिंधिया परिवार का उतना ही सम्मान करते हैं हैं जितना कभी हुआ करता था। लेकिन राजनीतिक तौर पर देखा जाए तो जनता के लिए कोई विशेष कार्य नहीं हुए।यहां की जनता के लिए रोजगार मुद्दा तो प्रमुख है। यहां रोजगार के लिए स्थानीय पत्थर की खदाने थी। जिससे इस जिले के लगभग 50 हजार लोगों को रोजगार मिलता था । वहीं शारदा इंडस्ट्रीज जो की वनस्पति का निर्माण किया जाता था जिसमें लगभग 5 हजार लोग कार्य करते थे। यह दोनों ही बंद जो चुके हैं जिससे यहां पर स्थानों व्यापार घाटा है। बेरोजगार शिवपुरी से दूसरे शहरों में पलायन करने को मजबूर है। चुनाव आते रहे जन प्रतिनिधि अपनी रोटी सकते रहे। लेकिन यहां की जनता की समस्याओं को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए। जिसका कारण सरकार से नाराजगी बनी हुई है। यहां की जनता को कांग्रेस के प्रत्याशी के पी सिंह कक्का जू से क्षेत्रीय जनता को उम्मीद जगी है, इसलिए कक्का जु को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है।

900 वोटरों वाला गांव, 33 साल में बने छह विधायक, मंत्री को टक्कर दे रहा भतीजा

अशोकनगर। जिले की तीन विधानसभा सीटों में सबसे रोचक मुकाबला मुंगावली में है। इस विधानसभा में अमरोद नाम का एक गांव है, जिसका राजनीति से गहरा संबंध है। इसे नेताओं का गांव भी कह सकते हैं। अब तक यहां से छह विधायक और 50 से ज्यादा लोग अलग-अलग राजनीतिक पदों पर रह चुके हैं।

इस बार शिवराज सरकार के मंत्री बृजेंद्र सिंह यादव को उन्हीं के भतीजे राव यादवेंद्र सिंह यादव टक्कर दे रहे हैं। ये दोनों भी इसी गांव के रहने वाले हैं। चाचा-भतीजे की इस सियासी लड़ाई को मंत्री बृजेंद्र यादव महाभारत का युद्ध बता रहे हैं। अमरोद गांव, अशोकनगर जिला मुख्यालय से 17 किमी दूर चंदेरी मार्ग पर बसा है। करीब 2000 की आबादी वाले इस गांव में 150 मकान हैं। वोटरों की संख्या 900 के करीब है। इस गांव की धमक निकाय चुनाव से लेकर विधानसभा-लोकसभा तक रही है।

1957 में जब मुंगावली विधानसभा सीट अस्तित्व में आई तब इस गांव में राजनीति की शुरुआत हुई। गांव के राव ज्योत सिंह यादव ने 1957 का चुनाव लड़ा। हालांकि, राव ज्योत सिंह ये हार गए। हिंदू मजदूर सभा के खलक सिंह ने ये चुनाव जीता था। इसके बाद 33 साल तक यानी 1990 तक गांव से राजनीति में किसी को भागीदारी नहीं मिल पाई।

माधवराव सिंधिया के सामने लड़े लोकसभा चुनाव- 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राव देशराज सिंह को गुना लोकसभा सीट से टिकट दिया। कांग्रेस की तरफ से माधवराव सिंधिया मैदान में थे। इस चुनाव में राव देशराज सिंह को हार का सामना करना पड़ा। माधवराव सिंधिया के निधन के बाद साल 2002 में गुना सीट पर उपचुनाव हुआ। वे एक बार फिर ज्योतिरादित्य

सिंधिया के सामने मैदान में उतरे, लेकिन चुनाव हार गए। हार-जीत के इस सिलसिले के बीच अमरोद गांव प्रत्याशियों के लिए फिक्स हो गया। हर विधानसभा चुनाव में इस गांव के नेताओं को बीजेपी या कांग्रेस से टिकट मिलता रहा है।

2018 में देशराज सिंह के निधन के बाद उनकी पत्नी बाई साहब यादव भी चुनाव लड़ीं। हालांकि, वे अपने देवर और कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र सिंह यादव से हार गईं। दो उपचुनाव और एक आम चुनाव मिलाकर बृजेंद्र सिंह मुंगावली सीट से लगातार तीन बार से विधायक हैं। इस बार उनका मुकाबला राव देशराज सिंह यादव के बड़े बेटे राव यादवेंद्र सिंह यादव से है। यह दूसरा मौका है, जब बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने अमरोद गांव से ही अपना प्रत्याशी बनाया है।

चार बार भाजपा, दो बार कांग्रेस से विधायक- ग्रामीण जसवंत सिंह यादव बताते हैं कि आजादी के बाद जब दूसरी बार 1957 में मुंगावली सीट पर चुनाव हुआ तब ये सीट लोकसभा के बराबर होती थी। 1957 में राव जोत सिंह यादव के हारने के बाद 1990 तक किसी ने भी विधानसभा या लोकसभा की राजनीति का रुख नहीं किया। केवल सरपंच और मंडी के चुनाव तक ही सीमित रहे।

1990 से लगातार गांव का कोई न कोई प्रत्याशी मुंगावली सीट से चुनाव लड़ रहा है। अब तक 10 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा और इनमें से छह विधायक चुने गए। इनमें चार विधायक भाजपा से और दो कांग्रेस पार्टी से रहे। वर्तमान में गांव से विधायक के साथ ही दो जनपद सदस्य, तीन जिला पंचायत सदस्य और तीन मंडी डायरेक्टर हैं।

चुनाव का यहां भी है अमरोद कनेक्शन- मुंगावली से जो भी विधायक रहा उसका अमरोद गांव से कनेक्शन जरूर रहा है। राव ज्योत सिंह यादव के भांजे राव चंदन सिंह एक बार मुंगावली विधायक रहे। इसके अलावा राव ज्योत सिंह के समधी गजराम सिंह बीलाखेड़ी दो बार और गजराम सिंह रांवसर एक बार मुंगावली से विधायक चुने गए हैं। वहीं, दूसरे भांजे रघुवीर सिंह रुसल्ला भी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। गुना लोकसभा से मौजूदा सांसद डॉ. केपी यादव, राज्यमंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव के भतीजे हैं।

नौ बार चुनाव लड़े स्व. देशराज सिंह का सबसे अधिक प्रभाव- सरपंच पद से लेकर लोकसभा तक का चुनाव लड़ने वाले स्व. राव देशराज सिंह यादव के नाम का आज भी गांव में अलग प्रभाव है। गांव के लोग उनका नाम नहीं लेते, उन्हें राव साहब कहते हैं। कुछ दिनों ?पहले ही गांव के चौराहे पर राव? साहब की प्रतिमा स्थापित की गई है। गांव में राजनीतिक की चर्चा आज भी राव साहब के नाम से ही शुरू होती है।

33 साल पहले राजमाता के आने से चमकी गांव की राजनीति

ग्रामीण जगराम सिंह यादव बताते हैं कि 1990 के विधानसभा चुनाव के कुछ समय पहले राजमाता विजयाराजे सिंधिया का गांव में एक कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की जिम्मेदारी गांव के सरपंच राव देशराज सिंह यादव को मिली थी। कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा। कार्यक्रम के आयोजन के लिए जो पैसा मिला, उसमें से कुछ पैसा बच गया था। इस पैसे को लौटाने के लिए राव देशराज यादव, राजमाता के पास पहुंचे। उनकी ये ईमानदारी राजमाता को बहुत पसंद आई। राजमाता के कहने पर भाजपा ने राव देशराज यादव को 1990 के विधानसभा चुनाव का टिकट दे दिया। राव देशराज यादव चुनाव जीतकर विधायक बन गए। हालांकि, 1990 में राम मंदिर आंदोलन की वजह से चार राज्यों की सरकारें गिर गईं, जिसमें मध्यप्रदेश भी शामिल था। इसके बाद 1993 में एक बार फिर विधानसभा चुनाव हुआ। राव देशराज यादव को भाजपा ने फिर मैदान में उतारा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 1998 में राव देशराज तीसरी बार चुनाव लड़े और एकबार फिर जीते। राव देशराज ने मुंगावली से छह चुनाव लड़े, उन्हें तीन बार जीत हासिल हुई।

जिलेभर में यादव समाज का दबदबा

अशोकनगर जिले का ईसागढ़ क्षेत्र प्राचीन अहीरवाड़ा राज्य का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। ईसागढ़ का नाम बहादुरगढ़ हुआ करता था। यहां खींचियों की आमद से पहले अहीर शासकों ने ही राज किया। पार्वती और बेतवा नदी के बीच का इलाका, जिसमें वर्तमान में विदिशा, गुना, शिवपुरी व अशोकनगर के बड़े हिस्से आते हैं, वहां अहीर राजाओं का शासन था। अशोकनगर जिले में यादव वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। मुंगावली में करीब 50 हजार, चंदेरी में करीब 32 हजार और अशोकनगर सीट पर करीब 28 हजार यादव वोटर हैं।

सीट का इतिहास

- 2020 के उपचुनाव में भाजपा के बृजेंद्र सिंह यादव ने कांग्रेस के कन्हाई राम लोधी को हराया।
- 2018 में कांग्रेस के बृजेंद्र सिंह यादव ने भाजपा के कृष्णपाल सिंह को पराजित किया।
- 2018 के उपचुनाव में कांग्रेस के बृजेंद्र सिंह यादव ने भाजपा की बाई साहब यादव को हराया।
- 2013 में कांग्रेस के महेंद्र सिंह कालूखेड़ा जीते।
- 2008 भाजपा के राव देशराज सिंह यादव जीते।
- 2003 में कांग्रेस के गोपाल सिंह चौहान जीते।
- 1998 में भाजपा के राव देशराज सिंह यादव जीते।
- 1993 में कांग्रेस के आनंद कुमार पालीवाल जीते।
- 1990 में भाजपा के देशराज सिंह जीते।
- 1985 कांग्रेस के गजराम सिंह जीते।
- 1980 में कांग्रेस के गजराम सिंह जीते।
- 1977 में जेएनपी (जनता पार्टी) के चंद्रमोहन रावत जीते थे।
- 1972 में गजरा सिंह बीजेएस (भारतीय जन संघ) के टिकट पर चुनाव जीते।
- 1967 में एसडब्ल्यूए (स्वतंत्र पार्टी) के सी. सिंह ने जीत हासिल की।
- 1962 में पीएसपी (प्रजातंत्र सोशल पार्टी) से चंद्रभान सिंह विजयी हुए।
- 1957 में एचएमएस (हिंदू मजदूर सभा) के खलक सिंह ने बाजी मारी।

कर्मचारियों के वेतन को लेकर उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया

भोपाल। स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित वेतनमान का न्यूनतम वेतनमान का लाभ नहीं देने पर उच्च न्यायालय जबलपुर की एकल खंडपीड के जस्टिस जेएस अहलूवालिया ने मध्य प्रदेश शासन के आयुक्त नगरी प्रशासन विभाग आयुक्त कोष एवं लेखा प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग को नोटिस जारी कर समय सीमा में जवाब मांगा है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि लोक निर्माण विभाग में कार्यरत अमृतलाल कोरी एवं नगर निगम में कार्यरत राजकुमार तिवारी ने उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका का दायर करके नियमित वेतनमान का न्यूनतम वेतनमान का लाभ देने की मांग करी है याचिका के माध्यम से स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी ने उच्च न्यायालय को अवगत कराया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब राज्य की याचिका को निरस्त करते हुए विनियमित स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 10 साल की सेवा के बाद समान कार्य समान वेतन के सिद्धांत पर नियमित वेतनमान का न्यूनतम वेतनमान का लाभ देने का आदेश पारित करा है सर्वोच्च न्यायालय के उक्त आदेश का पालन करते हुए मध्य प्रदेश के स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को भी 10 साल की सेवा के बाद नियमित वेतनमान का न्यूनतम वेतनमान का लाभ दिया जाए मध्य प्रदेश में स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 20 से 25 साल की सेवा के बावजूद भी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के पालन में समान कार्य समान वेतन के आधार पर नियमित वेतनमान का न्यूनतम वेतन का लाभ विभागों में अधिकारी नहीं दे रहे हैं।

महाराज, शिवराज और नाराज, सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने पर क्या बोले गए दिग्विजय सिंह?

एमपी में तीन बीजेपी का बताया मतलब

ग्वालियर। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने ग्वालियर के कई विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सभा को संबोधित किया है। अपने संबोधन के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह चुनाव उनलोगों के बीच है, जिन्होंने कांग्रेस को धोखा दिया है। यह चुनाव धन शक्ति और मानव शक्ति, गद्दार और ईमानदार के बीच है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2018 में तैयारी के लिए कमलनाथ को सिर्फ 5 महीने का वक्त मिला था, उस समय संगठन भी उतना तैयार नहीं था, जितना वे थे। अब संगठन तैयार है। उन्होंने कहा कि बीजेपी तीन खेमों में बंट गई है, महाराज, शिवराज और नाराज बीजेपी।

दिग्विजय सिंह ने अपने लोगों से कहा कि तब बीजेपी एक थी। 2023 में सब अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि हमें तैयारी के लिए 5 साल मिले हैं और शिवराज के खिलाफ पूरी तरह से तैयार हैं।

2018 में उतना आक्रोश नहीं था, जितना आज है। बीजेपी भी उतनी विभाजित नहीं थी, जितनी आज है। यहां के उम्मीदवार में महाराज बीजेपी से हैं और उपचुनावों में हमारे बीच जो अंतर था, वह न केवल बराबर हो गया है, बल्कि बढ़ भी गया है। यह लड़ाई मजदूरों और मालिकों के बीच की है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि कोई भी संगठन कार्यकर्ताओं को उतना नुकसान नहीं पहुंचा सकता था, जितना भारतीय जनता पार्टी ने किया है।

हर साल भारत में सरकार, मिल मालिकों और श्रमिकों के बीच राष्ट्रीय सेमिनार होता था। नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले नौ वर्षों से आयोजित नहीं किया गया है। उन्होंने 44 श्रमिक कानूनों को समाप्त कर दिया है। उन्हें घटाकर चार संहिता कर दिया है। वे चार संहिताएं पूरी तरह से मिल मालिकों पर भी लागू होती हैं। इसके साथ ही टिकट की चाह रखने वालों को चेताया है कि जो कांग्रेस टिकट मांग रहे हैं और घर बैठे हैं, दिग्विजय सिंह के दरवाजे हमेशा के लिए बंद रहेंगे। ईवीएम पर उन्होंने सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पहले बैलेट पेपर पर अनियमितताएं करते थे लेकिन हम समझ गए हैं कि अब वे ईवीएम पर अनियमितताएं कर सकते हैं लेकिन वे कांग्रेस के वोट नहीं बढ़ा सकते हैं, बल्कि बीजेपी के वोट बढ़ा सकते हैं क्योंकि किसी भी मशीन में चिप डाली जाती है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव के दिन इसकी जांच करने का केवल एक ही तरीका है।